RNI No. MAHHIN/2008/24974, Postal Regd No. MCS-206/2025-27, License to post without payment **MR/Tech/WPP-287/South/2025-27**
Post at Mumbai Patrika Channel Stg. Office, Mumbai G.P.O., Mumbai- 01. Posting Date : 14-15 Every Month, Publishing Date : 14 Every Month

आभूषण टाइम्स

वर्ष : 18 | अंक : 06 | अगस्त 2025 | मासिक | पृष्ठ : 52 | मूल्य : ₹50

SHANTI
GOLD
International Ltd.
Be Unique,
Be Special,
Be Pretty
9819514517
Andheri East
order@shantigold.in
www.shantigold.in

45W ADAPTER
with Retractable Cable
GM
SWITCH TO A BETTER WORLD
IS 13252(PART 1):2010
IEC60950-1:2005
R-41263087
G+65CA
www.bis.gov.in
45 GaN
NEXT-GEN
POWER IN YOUR
POCKET
45W
GaN
Charger
Compact
Size
70cm
Type-C
Retractable Cable
Say hello to smarter & faster charging with the G+ 45W Adapter featuring a built-in retractable cable. Sleek, compact, and travel-ready, it offers dual-port convenience and a 70cm cable that neatly tucks away when not in use. Designed for efficiency and safety, it delivers powerful performance while protecting your devices with advanced overcurrent safeguards. Charging just got easier and way more stylish.
NOW AVAILABLE ON
amazon
Modular Switches • Touch Switches • Wi-Fi Switches • Home Automation Solutions • Bluetooth Music System
Video Door Phones • LED Lighting • Wires & Cables • PVC Pipes & Fittings • DBs, MCBs & RCCBs • Fans & Appliances
Our Exclusive Experience Centres
www.gmmodular.com info@gmmodular.com
Mumbai - Andheri +91 88799 18221 Lohar Chawl 022 2206 6545 Ahmedabad +91 91529 59541 Bengaluru +91 80409 71188 Belgaum +91 99453 33107
Chennai +91 91525 52453 Hyderabad +91 40247 34545 Vijayawada +91 86624 99945 Jalore +91 29732 22288 Bhilwara +91 8955048560 Calicut +91 49527 73500
Noida +91 99501 52527 Kolkata +91 33406 02048 Ranchi +91 94715 55599 Tirunelveli +91 94431 51008 Patna +91 70048 36171 Coimbatore +91 99523 07025
Puducherry +91 41345 00222 Surat +91 91520 88884 International - Dubai +97 142 51 80 08 +97 143 54 40 36 Spain +34 677 62 09 45 Kenya +254729234315

लगातार महंगा होता गोल्ड व सिल्वर फिर भी ज्वेलरी इंडस्ट्री में उम्मीद!

ज्वेलरी इंडस्ट्री चकित है कि गोल्ड बहुत तेजी से महंगा होता जा रहा है और हम देख रहे हैं कि उसके पीछे पीछे सिल्वर की चमक में भी और निखार पैदा होता जा रहा है, फिर भी आइआइजेएस ने ग्राहकी से जो उम्मीद जगाई है, उससे एक नई आशा की किरण फूटी है। मुंबई, भारत की आर्थिक राजधानी और ज्वेलरी उद्योग का गढ़ है, तथा यहां हर साल होने वाला आइआजेएस ज्वेलरी शो एक बार फिर अपनी शानदार सफलता के साथ सुर्खियों में है। जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा आयोजित इस आइआजेएस ज्वेलरी शो ने, न केवल भारतीय ज्वेलरी उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, बल्कि महंगे गोल्ड व सिल्वर के माहौल में भी ज्वेलर्स के चेहरों पर चमक बिखेरी है। आइआजेएस ज्वेलरी शो, जो भारत का सबसे बड़ा और विश्व का दूसरा सबसे बड़ा ज्वेलरी शो है, तथा इसने एक बार फिर साबित किया कि भारतीय ज्वेलरी कारीगरी और डिजाइन में नई सोच की कोई सीमा नहीं है। 'आभूषण टाइम्स' ज्वेलरी इंडस्ट्री की धड़कनों में बसा है तथा 'आभूषण टाइम्स'की धड़कनों में ज्वेलरी इंडस्ट्री की सांसे बहती है। इसी कारण हम यह दावा कर सकते हैं कि इस महंगे माहौल में भी मुंबई सहित देश भर के ज्वेलर्स ने अपने बिजनेस को सम्हालने की दिशा में कई शानदार प्रयत्न किए हैं, तो आइआइजेएस ज्वेलरी शो उनके उन प्रयत्नों को और आगे बढ़ाने में सहयोगी साबित रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड व सिल्वर दोनों की कीमतों में लगातार वृद्धि ने ज्वेलरी उद्योग के सामने कई चुनौतियां खड़ी की हैं। सबसे बडज़ी चुनौती है ग्राहकी की, जो पिछले कुछ दिनों से लगभग ठप सी दिख रही थी। गोल्ड की कीमत 1 लाख 3 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से भी आगे बढ़ गई है और सिल्वर की कीमत 1 लाख 15 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के आगे पहुंचने से कई ज्वेलर्स को ग्राहकी में कमी का डर सता रहा था। उपभोक्ताओं की खरीदारी की क्षमता पर सवाल उठ रहे थे, और छोटे ऐसे हालात में ज्वेलरी ब्रांड्स विशेष रूप से चिंतित थे। लेकिन आइआइजेएस प्रीमियर ने इन सभी आशंकाओं को ध्वस्त कर दिया। इस प्रदर्शनी में न केवल बड़े ब्रांड्स, बल्कि छोटे और मध्यम स्तर के ज्वेलर्स ने भी अभूतपूर्व सफलता हासिल की। हजारों आगंतुकों और विभिन्न देशों से आए सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की उपस्थिति ने इस शो को एक वैश्विक मंच प्रदान किया, जिसने ज्वेलरी उद्योग में उम्मीद की नई किरण जाग गई। आइआइजेएस प्रीमियर 2025 की सबसे बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है कि यह छोटे और मध्यम स्तर के ज्वेलरी ब्रांड्स की शानदार सफलता का गवाह रहा है। इस शो में जहां बड़े ब्रांड्स ने अपने भव्य स्टॉल्स के साथ खरीदारों का ध्यान आकर्षित किया, वहीं छोटे ब्रांड्स और स्थानीय ज्वेलर्स ने भी अपनी अनूठी डिज़ाइनों और किफायती कीमतों के साथ बाजार में अपनी बड़ी जगह बनाई। मुंबई के हमारे इन छोटे ज्वेलर्स ने, न केवल स्थानीय खरीदारों को आकर्षित किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच भी अपनी कारीगरी की छाप छोड़ी। इस शो ने साबित किया कि महंगे माहौल में भी शानदार क्वालिटी तथा बेहतरीन डिजाइंस के दम पर छोटे ज्वेलर्स बड़े सपने देख सकते हैं।

हम सभी जानते हैं कि गोल्ड काफी महंगा होता चला है तथा इस बात से भी भली भांति परिचात हैं कि सिल्वर भी लगातार ऊपर की तरफ चढ़ रहा है। ऐसे महंगे माहौल में भी आइआजेएस की वजह से ज्वेलर्स के चेहरों पर चमक है। आइआइजेएस से पहले कई ज्वेलर्स महंगे गोल्ड और सिल्वर की कीमतों के कारण चिंतित थे। लेकिन इस शो ने साबित किया कि किसी भी चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। खरीदारों ने न केवल पारंपरिक डिज़ाइनों को पसंद किया, बल्कि आधुनिक और किफायती आभूषणों की भी भारी मांग देखी गई। आइआइजेएस ज्वेलरी शो ने इस महंगाई के माहौल में लाइट वेट ज्वेलरी को प्रधानता देकर ज्वेलर्स को यह विश्वास दिलाया कि इसके जरिए ज्वेलर्स अपने कस्टमर्स को क्वालिटी और डिज़ाइन के लिए कीमत की बाधा को आसानी से पार करा सकते हैं। 'आभूषण टाइम्स' आपका सदा से साथी रहा है, तथा इस बार के आइआइजेएस शो में भी 'आभूषण टाइम्स' ने देखा है कि आइआइजेएस प्रीमियर 2025 की सफलता ने ज्वेलरी उद्योग में एक नया उत्साह भरा है। यह शो न केवल एक व्यापारिक मंच है, बल्कि भारतीय कारीगरी, संस्कृति, और नवाचार का उत्सव भी है। महंगे गोल्ड और सिल्वर के बीच भी इस प्रदर्शनी ने साबित किया कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग की चमक कभी फीकी नहीं पड़ती। आइआइजेएस ने यह साबित किया है कि यह शो ज्वेलर्स को न केवल आर्थिक लाभ प्रदान करता है बल्कि आइआइजेएस प्रीमियर ने मुंबई के ज्वेलरी उद्योग में एक नई उम्मीद की किरण जगाई है। यह ज्वेलरी एग्जिबिशन न केवल व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण थी, बल्कि छोटे और मध्यम स्तर के ज्वेलर्स के लिए एक प्रेरणा भी बनी। आइआइजेएस प्रीमियर 2025 ने भारतीय ज्वेलरी उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है, और यह उम्मीद की जाती है कि यह उद्योग भविष्य में और भी चमकेगा।

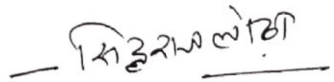

"आइआइजेएस से पहले कई ज्वेलर्स महंगे गोल्ड और सिल्वर की कीमतों के कारण चिंतित थे। लेकिन इस शो ने साबित किया कि किसी भी चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। खरीदारों ने न केवल पारंपरिक डिज़ाइनों को पसंद किया, बल्कि आधुनिक और किफायती आभूषणों की भी भारी मांग देखी गई।"

सिद्धराज लोढ़ा

FOLLOW US

@SHRINGARMANGALSUTRA

Shringar ©

HOUSE OF MANGALSUTRA

MUMBAI | DELHI

New Collections

Showcasing

INDIA'S FINEST

MANGALSUTRA COLLECTIONS

In

18KT | 22KT | 24KT

Meet Us at

JEWELLERY & GEM DELHI

13TH TO 15TH SEP 2025

STALL NO J 14

PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI

GJS

INDIA GEM & JEWELLERY SHOW

A GRAND BUSINESS TO BUSINESS EXPO

16TH TO 19TH SEP 2025

STALL NO 1H22_1H24_1H26 1I21_1I23_1I25

JIO WORLD CONVENTION CENTRE, MUMBAI

FOR READY STOCK SELECTION PLEASE VISIT

www.shringarms.com

संपादक
सिद्धराज लोढ़ा

प्रबंध संपादक
राकेश लोढ़ा

सह संपादक
अखिल लोढ़ा
कुणाल लोढ़ा

डिजाइन
रवि गोरुले
कमलाकर तावडे

प्रिन्टर
प्रतिक ऑफसेट, मुंबई

सेल्स एवं ऑफिस प्रबंधक
सुरेश बोर्ले
हरिशंकर लोधी
तुकाराम ठीक

प्रतिनिधि
दिनेश त्रिवेदी
08765908424

आभूषण टाइम्स

407, कालबादेवी रोड,
दौलत भवन, दुसरा माला,
ऑफिस नं. 203 मुंबई - 400 002.

Tel.: 022-2201 7091 / 022-2240 0338
E:mail:. aabhusantimes@gmail.com
Visit on us:. www.aabhusantimes.com

आभूषण टाइम्स

मासिक

भारत की नंबर वन ज्वेलरी बिजनेस मैगजीन

वर्षः 18 | अंकः 06 | अगस्त 2025

04 लगातार महंगा होता गोल्ड व सिल्वर फिर भी ज्वेलरी इंडस्ट्री में उम्मीद!

08 गोल्ड के रेट हाई, सिल्वर भी तेजी में फिर भी हर साल ज्वेलरी इंडस्ट्री की तेज चाल

14 आइआइजेएस प्रीमियर-2025
शानदार सफल ज्वेलरी एग्जिबिशन

20 रत्न एवं आभूषण निर्यात की चमक फीकी पड़ी
अमेरिका द्वारा अप्रैल में लगाए गए 10 प्रतिशत जवाबी शुल्क के बाद अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका को निर्यात धीमा हो गया।

20 पर्पल ज्वेल्स ने मुंबई में तीसरे संस्करण के दौरान नई संग्रह की शानदार शुरुआत की

24 फीकी पड़ेगी गोल्ड की चमक! इस कारण अमेरिकी सरकार ने बनाया ये प्लान

24 भारत में हीरे के आभूषणों की मांग को लेकर डी बियर्स का दावा 2030 तक खपत में होगी इतने प्रतिशत की वृद्धि

26 जीजेएस ज्वेलरी शो
ज्वेलरी इंडस्ट्री का हमारा अपना शो 16 से 19 सितंबर तक

46 अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ का भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात पर प्रभाव

47 इकोलक्स लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलर्स शोरूम का भव्य शुभारंभ

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लोढ़ा सिद्धराज सोहनराजजी द्वारा फ्लॅट नं. 702, 7वां माला, प्राइम रोज, स्वरूप को.हॉ.सोसायटी, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400058, 407 कालबादेवी रोड, दौलत भवन, दुसरा माला, ऑफिस नं. 203, मुंबई - 400002, से प्रकाशित कर प्रतिक ऑफसेट, 180 सी, गायवाडी, कर्नाक कंपाउंड, गिरगांव, मुंबई 400004 से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र मुंबई रहेगा।

LAXMI
DIAMONDS
BENGALURU

Where craftsmanship meets perfection

For Any Business Enquiry Call Mr.Laxman +91 9380888030

LAXMI IMPERIAL PVT LTD

A leading manufacturer of closed setting diamond jewellery

www.laxmidiamonds.com

गोल्ड के रेट हाई, सिल्वर भी तेजी में फिर भी हर साल, ज्वेलरी इंडस्ट्री की तेज चाल

राकेश लोढ़ा

अगस्त 2025 में भारत में गोल्ड और सिल्वर की कीमतें और पिछले तीन महीनों का आकलन देखें, तो भारत में अगस्त 2025 के पहले सप्ताह में 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 1 लाख 3 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम को पार कर चुकी है, जबकि सिल्वर 1 लाख 15 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास ट्रेंड कर रहा है। यह वृद्धि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, मुद्रास्फीति, और भारतीय रुपये के कमजोर होने के कारण हुई है। पिछले तीन महीनों, मई से जुलाई 2025 की बाच में गोल्ड और सिल्वर की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। मई 2025 में 24 कैरेट गोल्ड की कीमत लगभग 99 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो जून में 1लाख 630 रुपये और जुलाई में 1 लाख 1 हजार 159 रुपये तक पहुंची। सिल्वर की कीमतें भी मई में 94 हजार 600 रुपये प्रति किलोग्राम से शुरू होकर जुलाई में 1 लाख 17 हजार 100 रुपये तक पहुंच गई। गोल्ड व सिल्वर के रेट्स में वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि इन दोनों मेटल की लगातार बढ़ती वैश्विक मांग, दुनिया के लगभग सभी केंद्रीय बैंकों की गोल्ड की खरीदारी, रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास युद्धों सहित विभिन्न देशों के बीच राजनीतिक तनावों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर लगाए टैरिफ के कारण हुई है। भारत में एक कारण यह भी माना जा रहा है कि त्यौहारों जैसे अक्षय तृतीया और शादी के सीजन ने गोल्ड की मांग को और बढ़ाया, जिससे इसकी कीमतों में कुछ तेजी आई। हालांकि, जुलाई के अंत में कुछ इंटरनेशनल मार्केट विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया कि गोल्ड की कीमतों में 25 प्रतिशत तक की गिरावट संभव है, लेकिन जानकारों की यह भविष्यवाणी सटीक नहीं रही। हालांकि इंटरनेशनल मार्केट विशेषज्ञों का सिल्वर में 13 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान सही साबित हुआ, क्योंकि औद्योगिक मांग और निवेशकों की रुचि बढ़ी। इन तीन महीनों में कीमतों का उतार-चढ़ाव लोकल टैक्स, मेकिंग चार्ज, और वैश्विक बाजार की अस्थिरता पर निर्भर रहा। भारत में गोल्ड और सिल्वर की कीमतें लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन के बेंचमार्क और भारतीय रुपये में परिवर्तन के आधार पर तय होती हैं।

गोल्ड व सिल्वर की बढ़ती कीमतों के बावजूद, ज्वेलरी की सेल में कमी नहीं बल्कि वृद्धि होगी, ऐसा माना जा रहा है। इसके कई खास कारण हैं। हमारे देश में ज्वेलरी का केवल सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व ही नहीं है। यह केवल पहनने का किसी एक वस्तु से कहीं ज़्यादा है। लोग गहनों को निवेश, परंपरा, और अपनी पहचान का प्रतीक मानते हैं।

गोल्ड और सिल्वर की बढ़ती कीमतों के ज्वेलरी मार्केट पर प्रभाव को देखें, तो गोल्ड और सिल्वर की तेजी से बढ़ती कीमतों ने भारतीय ज्वेलरी मार्केट पर कुछ वक्त पहले से बेहद नकारात्मक प्रभाव डालना शुरू किया है। सभी जानते हैं कि इन दोनों की उच्च कीमतों के कारण ग्राहकों की खरीदारी की क्षमता कम हुई है, जिससे ज्वेलरी की बिक्री में कमी आई। छोटे और मझोले ज्वेलर्स को विशेष रूप से नुकसान हुआ, क्योंकि ग्राहक महंगी ज्वेलरी की जगह सस्ती और कम वजन वाली ज्वेलरी के विकल्प तलाश रहे हैं। ज्वेलरी शोरूम्स में ग्राहकों की घटती संख्या ने ज्वेलर्स के मुनाफे को प्रभावित किया है, और कई छोटे व्यवसायों को कैश क्रंच की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए ज्वेलर्स लाइटवेट ज्वेलरी पर ध्यान दे रहे हैं, जिसमें कम मेटल का उपयोग हो और किफायती भी हो। 22 कैरेट गोल्ड की जगह अब 18 कैरेट गोल्ड और 925 स्टर्लिंग सिल्वर से बनी हल्की डिजाइनें, जैसे पेंडेंट, चेन, और मिनिमलिस्ट ज्वेलरी, ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। इसके अलावा, ज्वेलर्स डिजिटल मार्केटिंग और ई-कॉमर्स के माध्यम से भी ग्राहकों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। देश के कुछ मझोले शहरों में कुछ ज्वेलर्स ने किश्तों में भुगतान और डिस्काउंट ऑफर भी शुरू किए हैं, ताकि ग्राहकों को गोल्ड व सिल्वर ज्वेलरी की खरीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। हालांकि, जीएसटी और अन्य टैक्स ने ज्वेलरी की लागत को और बढ़ाया है, जिससे ग्राहकों का रुझान कम हुआ है।

वैश्विक स्तर पर गोल्ड की कीमतों में वृद्धि के कारण

और 2026 तक गोल्ड की रेट में बढ़ोतरी के अनुमान की बात करें, तो वैश्विक स्तर पर गोल्ड की कीमतों में वृद्धि के कई कारण हैं। 2026 के अंत तक, विशेषज्ञों का अनुमान है कि गोल्ड 3550 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है, जो भारत में लगभग 1 लाख 15 से 1 लाख 25 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के बराबर पहुंच सकता है। यह अनुमान वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति, और मांग-आपूर्ति के असंतुलन पर आधारित है। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिर होती है, तो कीमतें 3200 डॉलर से नीचे भी गिर सकती हैं। भारत में त्योहारों और शादी के मौसम के कारण मांग बनी रहेगी, जिससे कीमतों में और वृद्धि हो सकती है। वर्तमान में गोल्ड बढ़ते रेट का एक कारण तो है, राजनीतिक तनाव, जैसे रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास युद्ध ने दुनिया भर के निवेशकों को गोल्ड को सुरक्षित संपत्ति के रूप में गोल्ड की ओर आकर्षित किया है। दूसरा, अमेरिकी डॉलर और उच्च मुद्रास्फीति ने गोल्ड को मुद्रा अवमूल्यन के खिलाफ बचाव का विकल्प बनाया है। तीसरा, दुनिया के कई देशों के केंद्रीय बैंकों, द्वारा गोल्ड की खरीदारी और विशेष रूप से चीन और पोलैंड की बहुत ज्यादा खरीददारी ने मांग को बढ़ाया है। उदाहरण के लिए, चीन ने 2025 में 13 टन सोना खरीदा, जिससे उसका भंडार 2,292 टन हो गया। इसके अलावा गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स अर्थात गोल्ड ईटीएफ की मांग ने भी इसकी कीमतों को ऊपर की ओर तेजी से धकेला है।

सिल्वर की बहुत तेजी से बढ़ती कीमतों को भी गहरी नजर से देखना काफी जरूरी है। सन 2026 के अंत तक, सिल्वर की कीमतें 45 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है, जो भारत में लगभग 1 लाख 30 हजार से 1 लाख 35 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की ऊंचाई पर पहुंच सकती है। सोलार एनर्जी और इलेक्ट्रॉनिक्स में सिल्वर का वैश्विक स्तर पर बढ़ता उपयोग भी इसकी कीमतों को और बढ़ाएगा। सिल्वर ज्वेलरी की मांग बढ़ रही है, क्योंकि यह गोल्ड की तुलना में सस्ती है और सिल्वर के आकर्षक ज्वेलरी डिजाइन भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा, सिल्वर कॉइंस और बार तथा सिल्वर की मूर्तियां तथा बर्तन भी निवेश के लिए काफी लोकप्रिय हैं। सिल्वर की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे कई कारक हैं। पहला, औद्योगिक मांग, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर ऊर्जा, और चिकित्सा उपकरणों

अरविंद राणावत
स्वर्ण शिल्प चेन्स

गोल्ड व सिल्वर की कीमतें बहुत तेजी से बढ़ती जा रही हैं। गोल्ड 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के पार तथा सिल्वर 1 लाख 15 हजार रुपए प्रति किलो से भी आगे का लेवल छू गया है। लेकिन इन दोनों, गोल्ड व सिल्वर की मांग में कमी की संभावना बहुत कम है, इनके रेट बढ़ेंगे फिर भी सेल कम नहीं होगी।

में, ने सिल्वर की मांग को बढ़ाया है। दूसरा, गोल्ड की तुलना में सिल्वर की किफायती कीमतों ने निवेशकों और ज्वेलरी खरीदारों को इसकी ओर आकर्षित किया है। तीसरा, सिल्वर की आपूर्ति की कमी, क्योंकि 2025 में मांग 1.20 अरब औंस होने का अनुमान है, जबकि आपूर्ति केवल 1.05 अरब औंस ही रहने का अनुमान है। चौथा कारण है, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और कमजोर मुद्रा ने सिल्वर को एक आकर्षक निवेश बनाया है।

खास बात यह है कि बहुत तेजी से बढ़ते गोल्ड और काफी ऊंचाई पर चढ़ते सिल्वर के कारण घटती ग्राहकी के बीच भी ज्वेलरी ज्वेलरी इंडस्ट्री को सम्हालने में ज्वेलर्स की आत्मशक्ति तथा वनवैश्विक स्तर पर भारतीय ज्वेलरी को शिखर पर पहुंचाने में जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के योगदान की भी अहम भूमिका है, तो भारत सरकार की निर्यात नीतियों ने भी इस इंडस्ट्री को अपनी जगह टिके रहने में सहारा दिया है। इस वित्तीय वर्ष में भारत की ज्वेलरी इंडस्ट्री में 70 हजार करोड़ रुपये के व्यवसाय का अनुमान है, जिसमें गोल्ड, सिल्वर, और डायमंड ज्वेलरी शामिल हैं। इस वृद्धि में आइआजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जो ज्वेलर्स, डिजाइनरों, और खरीदारों को एक वैश्विक मंच प्रदान करती है। आइआजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन गोल्ड, सिल्वर, और डायमंड ज्वेलरी के नए डिजाइनों, कारीगरी, और बाजार के रुझानों का आईना है, जिससे वैश्विक स्तर पर बारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री को बढ़ावा मिला है। जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) ने ज्वेलरी इंडस्ट्री को संगठित करने, ज्वेलरी के एक्सपोर्ट को बढ़ाने, और क्वालिटी स्टेंडर्ड को लागू करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जीजेईपीसी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म और इंडरनेशनल लेवल पर ज्वेलरी एग्जिबिशन के माध्यम से भारतीय ज्वेलरी को वैश्विक बाजार में काफी बढ़ावा दिया है। लाइट वेट और किफायती ज्वेलरी पर ध्यान देते हुए सस्टेनेबल और एथिकल ज्वेलरी की मांग, भी ज्वेलरी इंडस्ट्री को नई दिशा दे रही है। उच्च कीमतों के बावजूद, भारत में गोल्ड व सिल्वर को सहेजने की परंपरागत संस्कृति और इसके निवेश के महत्व के कारण ज्वेलरी की मांग बनी रहेगी। जीजेईपीसी का लक्ष्य 2025-26 में निर्यात को 50 बिलियन डॉलर तक ले जाना है, जो ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए सकारात्मक संकेत है।

माना कि गोल्ड व सिल्वर लगातार महंगे होते जा रहे हैं, लेकिन यह भी निश्चित है कि दुनिया भर में इन दोनों की सेल कम नहीं होगी, बल्कि और बढ़ेगी, क्योंकि ज्वेलरी सदा से लोगों की पहली पसंद रही है। समस्त विशेव के रेट देखें, तो गोल्ड व सिल्वर की कीमतों में वृद्धि के बावजूद, इनकी मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। सांस्कृतिक महत्व, निवेश की सुरक्षा और फैशन की अपील इसमें बढ़ोतरी के हालात को सुनिश्चित करती है। दुनिया भर में, खासकर भारत और चीन जैसे विकासशील देशों में लोगों की क्रय शक्ति बढ़ रही है। बढ़ती आय के कारण, लोग अब लग्जरी वस्तुओं पर खर्च करने में सक्षम हैं, और ज्वेलरी भी इनमें से एक हैं। आर्थिक स्थिरता लोगों को महंगी खरीदारी करने का विश्वास देती है, जिससे सोने और चांदी की बढ़ती कीमतों का असर कम होता है। तो आर्थिक अस्थिरता का माहौल भी लोगों को गोल्ड व सिल्वर की खरीदारी करने को प्रेरित करता है क्योंकि ये दोनों ही मेटल आर्थिक कमजोरी के हालात में सबसे बड़ा सहारा बनते हैं। कुल मिलाकर, गोल्ड व सिल्वर तथा इनसे बनी ज्वेलरी केवल मेटल नहीं हैं, बल्कि यह एक भावनात्मक और आर्थिक ताकत रखते हैं। यही कारण है कि गोल्ड व सिल्वर की बढ़ती कीमतों के बावजूद इनकी मांग कम होने की बजाय और बढ़ेगी।

अजीत जैन
माणक ज्वेलर्स प्रा. लि.

गोल्ड व सिल्वर के महंगा होने का वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी मार्केट पर कुछ दिनों के लिए नकारात्मक असर जरूर रहा। लेकिन दीर्घकालीन नजरिये से देखें, तो इनके रेट बढ़ने का कोई विशेष असर नहीं होगा। दुनिया भर में ज्वेलरी की सेल बढ़ाने के लिए लाइट ज्वेलरी की खरीदी ग्राहकों को लुभाने की सफल कोशिश साबित हो रही है।

अयोध्या प्रसाद शेठ
शांति एस शेठ ज्वेलर्स

भारत में ज्वेलरी इंडस्ट्री को सम्हालने में आइआइजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन की हमेशा से महत्वपूर्ण भूमिका रही है। गोल्ड, सिल्वर तथा डायमंड ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए यह खुशखबर है कि भारत में ज्वेलरी इंडस्ट्री की प्रतिनिधि संस्था जीजेईपीसी को इस साल 70 हजार करोड़ के ज्वेलरी बिजनेस का अनुमान है। दुनिया भर के लिए भारत ज्वेलरी निर्यात का बड़ा सेंटर है।

रिषभ जैन
ट्रायडंट कॉर्पोरेशन

वैश्विक स्तर पर गोल्ड तथा सिल्वर के महंगा होने के कारण बहुत हैं, लेकिन इनकी सेल के लगातार जारी रहने के भी कई खास कारण हैं। आने वाले साल 2026 के अंत तक गोल्ड और भले ही महंगा हो सकता है और सिल्वर के रेट भी बढ़ेंग। लेकिन भारत जैसे देश में, जहां ज्वेलरी की खरीदी को शुभ माना जाता है, इसकी सेल चलती रहेगी।

SILVERIO

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

The Finest Quality in 92.5 Silver Jewellery

Shop. 220/224,2, 2nd floor, Harbilas Building, Kalbadevi Road, Opp. Abhinandan Market, Near G9 Clothing, Mumbai-400002
Office: 022- 49701485, 9867271456 +91-910780-0700

Raju Kothari | Akrant Kothari - 98192 07704 | Ketan Kothari - 79001 23190

R. Kothari & Co. Jewellers

81, Chandra Darshan Building, Office No. 10, 3rd Floor, Dhanji Street, Zaveri Bazar, Mumbai-400 003
022 61834463 / 61834783 +91 7738274115 | I.com : 4463 / 4783
e-Mail : rkotharijewels@gmail.com | Website : www.rkotharijewels.com

ADN
THE MARK OF GUARANTEE & CREATION

Aradhana
JEWELLERS PVT. LTD.

WE HAVE RELOCATED
Expanding to serve you better

Office no. 201, 2nd Floor, ADN House, Bldg no. 157/165, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400002.
Karan Surana - 9820604171 / **Aryan Surana** - 9820204171, **Landline** - 23405500 / 23475500, **Intercom** - 4148
eMail : aradhanajewellerspvtltd@gmail.com | www.aradhanajewellers.com

THE HOUSE of SILVER EMPORIUM
SILVER • GOLD • DIAMONDS
SILVER EMPORIUM
GIRVÁAN
A STORY of GOLD
DIARAH
DIAMOND JEWELS
SILVER EMPORIUM • 232/234, Chamber Bhavan, 1st Floor
Kalbadevi Road, Mumbai 400002 • info@silveremporium.in

आइआइजेएस प्रीमियर-2025

शानदार सफल ज्वेलरी एग्जिबिशन

भारत का सबसे बड़ा और विश्व में दूसरा सबसे बड़ा ज्वेलरी शो, आइआइजेएस प्रीमियर - 2025, एक बार फिर अपनी भव्यता और सफलता के साथ सुर्खियों में रहा। इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो, को आइआजेएस के नाम से वैश्विक स्तर पर जाता है। भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की प्रमुख संस्था द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) का यह 41वां आयोजन था। गोल्ड व सिल्वर के बहुत तेजी से ऊपर बढ़ते रेट्स के दौर में ज्वेलरी उद्योग के लिए आइआइजेएस प्रीमियर - 2025 की शानदार सफलता को एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। मुंबई में 30 जुलाई से 4 अगस्त 2025 तक दो स्थानों पर आयोजित इस शो ने, न केवल भारतीय ज्वेलरी निर्माताओं और खरीदारों को एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अहम छाप छोड़ी है। इस आइआइजेएस प्रीमियर - 2025, ज्वेलरी शो की सफलता के विभिन्न पहलुओं को देखें, तो इसकी व्यावसायिक उपलब्धियों ने जीजेईपीसी तथा आइआजेएस दोनों के वैश्विक महत्व को नया विस्तार दिया है। इस बार के शो ने भी हर बार की तरह ही, न केवल स्थानीय खरीदारों को आकर्षित किया, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी ध्यान खींचा। इस बार के गोल्ड व सिल्वर के तेजी के दौर में भी आइआइजेएस की सफलता देख कर कहा जा सकता है कि पूरी दुनिया की नज़रें भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री पर हैं, और भारत वर्तमान में दुनिया की टॉप चार अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। बीकेसी स्थित जीयो इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में पहले दिन 30 जुलाई को उदगाटन से लेकर गोरेगांव स्थित नेस्को में अंतिम दिन 4 अगस्त तक सभी स्टॉल्स पर भारी भीड़ देखी गई, जो आइआइजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबशन की लोकप्रियता का साक्षात प्रमाण है।

गोल्ड के रेट्स अपने टॉप पर, सिल्वर भी अपने उफान पर है। गोल्ड लगभग 1 लाख के 3 हजार के पार और सिल्वर 1 लाख 15 हजार होने के बावजूद आईआईजेएस प्रीमियर - 2025 के हर सहभागी ज्वेलर के चेहरे पर खुशी दिखी, बायर्स ने भी धड़ल्ले से ज्वेलरी खरीदी, ऑर्डर बुक किए तथा पिछले कुछ वक्त से मुरझाए ज्वेलरी बाजार को नए उत्साह से भर दिया।

भारतीय ज्वेलरी उद्योग के इस प्रमुख ज्वेलरी शो आइआइजेएस प्रीमियर - 2025 में सहभागिता करने वाले मुंबई के प्रमुख भारतीय ज्वेलरी ब्रांड्स की बात करें, तो शांति गोल्ड इंटरनेशनल लिमिटेड. भवानी गोल्ड, बीडी बेंगल्स, स्काय चेन्स, एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स, श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र, यूनिक चेन्स, मिथाली गोल्ड, चेन्स कॉर्नर, शाइन शिल्पी, मंगलमणि ज्वेलर्स, विनायक एक्सपोर्ट्स, माई गोल्ड, स्वर्णश्री चेन्स, फॉरएवर ज्वेल्स, लक्ष्मी गोल्ड, मास्टर चेन्स, कनक ज्वेल्स सनराइज, कनक रत्न, पूजा ज्लेलर्स, स्वर्णशिल्प, मुणोत ऑर्नामिंट्स, आराधना ज्वेलर्स, अंसा

ज्वेलर्स, सिल्वर एंपोरियम, एसके एंटिक, एसएस जेम्स, आर कोठारी ज्लेलर्स, संगम हाउस ऑफ ज्वेल्स, सिल्वेरियो, सुराणा सिल्वर हाउस, लक्ष्मी डायमंड्स, रामाशा जेम्स एंड ज्वेल्स, ब्रह्मांड, पर्पल ज्वेल्स, रॉयल चेन, भाविका ज्वेल्स, एम मेहता एंड संस, एंजा बाय राजयश, शोभावत ऑर्नामेंट्स तथा संगम चेन्स एंड ज्वेल्स, वियरा सीजेए ज्वेलरी, साकरिया ज्वेल्स, समृद्धि ज्वेल क्राफ्ट्स, स्वर्शिल्प चेन्स एंड ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड, स्काय गोल्ड एंड डायमंड्स, डायमंड्स क्रिएशन्स आदि सहित ज्वेलरी को खूब सराहना मिली। इस ज्वेलरी एग्जिबिशन में इस सभी प्रमुख भारतीय ज्वेलरी ब्रांड्स ने अपने भव्य स्टॉल्स के साथ सभी का ध्यान आकर्षित किया। इनके अलावा, हर छोटे - बड़े ज्वेलर्स के स्टॉल और उनके ब्रांड्स की ज्वेलरी के स्टॉल्स पर भी भारी भीड़ देखी गई। इन ब्रांड्स ने गोल्ड, सिल्वर, प्लेटिनम, डायमंड और प्रीशियस स्टोन्स से बने नवीनतम ज्वेलरी डिज़ाइनों को प्रदर्शित किया, जो ज्वेलरी की वैश्विक स्तरीय आधुनिकतम और पारंपरिक शैली का फ्यूजन थे। आइआइजेएस प्रीमियर ज्नेलरी एग्जिबिशन में छोटे और मध्यम स्तर के सैकड़ों ज्वेलर्स ने भी अपनी अनूठी कारीगरी से खरीदारों को प्रभावित किया।

आइआइजेएस प्रीमियर - 2025 ज्वेलरी शो ने गोल्ड, सिल्वर, प्लैटिनम, डायमंड, जवाहरात, प्रीशियस स्टोन्स आदि के व्यापार से जुड़े हर ज्वेलर, इनकी के ज्वेलरी निर्माता, ज्वेलरी डिजाइनर्स, ज्वेलरी मशीनरी निर्माता और देश - दुनिया से आए हजारों ज्वेलरी बिजनेस से जुड़े खरीदारों के लिए अभूतपूर्व सफलता का परिदृश्य प्रस्तुत किया। इस बार

अदाणी ग्रुप के चेयररमेन गौतम अदाणी ने अपने संदेश में इसे भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत का प्रतीक बताया। तो रिलायंस ग्रुप के चेयररमेन मुकेश अंबानी ने अपने संदेश में कहा कि यह ज्वेलरी एग्जिबिशन भारत की सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिकता के साथ जोड़ने का एक अनूठा प्रयास है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अपने लंदेश में इस शो को वैश्विक व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया और जीजेईपीसी के प्रयासों की सराहना की है।

आइआइजेएस प्रीमियर - 2025 ज्वेलरी शो में गोल्ड, सिल्वर, प्लैटिनम, डायमंड, स्टोन्स, और जवाहरात

जैसे अन्य कीमती पत्थरों से बनी ज्वेलरी की मांग में जबरदस्त उछाल देखा गया। प्रत्येक ज्वेलरी निर्माता ने अपने उत्पादों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की, जबकि मशीनरी निर्माताओं को भी नवीनतम तकनीकों और उपकरणों के लिए उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। खरीदारों ने न केवल उच्च क्वालिटी वाले ज्वेलरी उत्पादों की सराहना की, बल्कि डिज़ाइन की विविधता और कारीगरी की उत्कृष्टता को भी खूब पसंद किया। आइआइजेएस प्रीमियर - 2025, ज्वेलरी शो ने छोटे से लेकर बड़े सभी ज्वेलर्स को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया, जिसके परिणामस्वरूप सभी सेक्टर्स के लोगों में संतुष्टि देखी गई।

आइआइजेएस प्रीमियर 2025 की व्यावसायिक सफलता का आधार इसकी व्यापक पहुंच और बेहतरीन आयोजन था। इस शो में दुनिया भर से आए खरीदारों ने भारतीय ज्वेलरी उद्योग की ताकत को करीब से देखा। आइआइजेएस प्रीमियर - 2025, ज्वेलरी शो न केवल बिक्री के लिए एक मंच था, बल्कि नए व्यापारिक संबंध स्थापित करने और वैश्विक बाजारों में भारतीय ज्वेलरी की मांग को बढ़ाने का एक अवसर भी था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, इस शो को हॉंगकॉंग ज्वेलरी शो के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ज्वेलरी शो माना जाता है। इसकी लोकप्रियता का कारण इसकी व्यापकता, वैश्विक पहुंच, और भारतीय कारीगरी की अनूठी शैली है, जो वैश्विक खरीदारों को आकर्षित करती है। इस बार, शो में दुनिया के 60 देशों से आए 3 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और एग्जिबिटर्स ने भी हिस्सा लिया, जो इसकी वैश्विक अपील को दर्शाता है।

जीजेईपीसी का लक्ष्य सन 2030 तक भारत के ज्वेलरी निर्यात को 75 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।

आइआइजेएस ज्वेलरी शो को बारे में कहा जा सकता है कि इसने मुंबई के जरिए पूरी दुनिया में भारतीय ज्वेलरी की सफलता का इतिहास रचा है। मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी और ज्वेलरी उद्योग का केंद्र है। मुंबई ने इस बार आइआइजेएस प्रीमियर 2025 को एक नया आयाम दिया। यह ज्वेलरी एग्जिबिशन दो स्थानों, जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर और नेस्को एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित की गई थी। आइआइजेएस प्रीमियर 2025 का शुभारंभ 30 जुलाई 2025 को मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में हुआ। इस भव्य उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 30 जुलाई को ज्वेलरी एग्जिबिशन के उद्घाटन करने हेतु महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जीजेईपीसी के चेयरमेन किरीट भंसाली, जीजेईपीसी के वाइस चेयरमेन शौनक पारेख, जीजेईपीसी के नेशनल एग्जिबिशन कन्वीनर नीरव भंसाली, टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीजन के सीईओ अजय चावला आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि नार्वेकर ने इस अवसर पर कहा कि जेम एंड ज्वेलरी व्यवसाय मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि इसकी शुरुआत ज़वेरी बाज़ार, दगीना बाज़ार और धनजी स्ट्रीट से हुई थी, जो मेरे निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा हैं। जीजेईपीसी द्वारा आयोजित आईआईजेएस भारत के रत्न एवं आभूषण व्यवसाय की वृद्धि और सफलता को प्रदर्शित करता है, जो अब वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। जीजेईपीसी के चेयरमेन किरीट भंसाली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार की सक्रिय व्यापारिक नीतियों ने जेम एंड ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए अभूतपूर्व द्वार खोले हैं। ज्वेलरी एग्जिबिशन का समापन 4 अगस्त 2025 को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में और 5 अगस्त 2025 को नेस्को कन्वेंशन सेंटर में हुआ। इन दोनों स्थानों पर आयोजित आइआइजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन ने अपनी भव्यता और संगठन के साथ इतिहास रच दिया। समापन समारोह में प्रदर्शकों और खरीदारों की खुशी और संतुष्टि साफ झलक रही थी। इस आयोजन ने न केवल व्यापारिक लक्ष्यों को पूरा किया, बल्कि अगले साल के लिए और भी बड़े आयोजन की उम्मीदें जगा दीं।

आइआइजेएस प्रीमियर - 2025 ज्वेलरी एग्जिबिशन के इस बार के 41वें शो में ज्वेलर्स की उपस्थिति और जीजेईपीसी की व्यवस्था के बारे में बात करें, तो जीजेईपीसी ने आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन के लिए कुल 1,35,000 वर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, सड़क परिवहम मंत्री नीतिन गड़करी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आदि ने अपने संदेश के माध्यम से आइआइजेएस प्रीमियर - 2025 ज्वेलरी एग्जिबशन शो को भारतीय कारीगरी और आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक बताया और इस आयोजन के जरिए बनी भारतीय ज्वेलरी उद्योग की वैश्विक क्षमता की सराहना की। आइआइजेएस प्रीमियर - 2025 ज्वेलरी एग्जिबिशन को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि आइआइजेएस प्रीमियर 2025 भारतीय कारीगरी की वैश्विक पहचान का एक शानदार उदाहरण है। उन्होंने लिखा कि यह शो हमारे देश के ज्वेलरी उद्योग को वैश्विक मंच पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मीटर का एग्जिबिशन एरिया निर्धारित किया था। इस विशाल क्षेत्र में 2,100 से अधिक प्रदर्शकों ने 3,600 से अधिक स्टॉल्स लगाए, जो इसे पश्चिमी देशों के समान बहुत बड़े बिजनेस शो से कहीं अधिक व्यापक और बड़ा बनाता है। इस आयोजन ने 50,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुकों को आकर्षित किया, जिनमें भारत के 800 से ज्यादा शहरों से ज्वेलर्स आए थे, तथा 60 देशों से लगभग 3 हजार इंटरनेशनल बायर्स व विजिटर्स की उपस्थिति भी चर्चा का विषय रही। जीजेईपीसी ने इस बार भी अपनी शानदार व्यवस्थाओं से सभी का दिल जीत लिया। सुरक्षा, परिवहन, और प्रदर्शकों के लिए सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा। इसके अलावा, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, डिजिटल पेमेंट सिस्टम, और विशेष खरीदार लाउंज जैसी सुविधाओं ने इस शो को और भी सुगम और आकर्षक बनाया। इस शो की सफलता के आंकड़े समाने आ रहे हैं, उनके मुताबिक, स्पष्ट तौर पर कहा जा सकता है कि, तो आईआईजेएस प्रीमियर - 2025 की शानदार सफलता, इसके आर्थिक प्रभाव, सहभागिता, और भविष्य में ज्वेलरी उद्योग को बढ़ाने में इसकी भूमिका का आने वाले कुछ ही महीनों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, जैसा कि हर साल होता ही है।

आइआइजेएस प्रीमियर 2025 में महाराष्ट्र के कौशल्य विकास मंत्री मंगल प्रभत लोढ़ा ने अतिथि के रूप में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, सड़क परिवहम मंत्री नीतिन गड़करी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आदि ने अपने संदेश के माध्यम से आइआइजेएस प्रीमियर - 2025 ज्वेलरी एग्ज्बिशन शो को भारतीय कारीगरी और आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक बताया और इस आयोजन के जरिए बनी भारतीय ज्वेलरी उद्योग की वैश्विक क्षमता की सराहना की। आइआइजेएस प्रीमियर - 2025 ज्वेलरी एग्जिबिशन को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि आइआइजेएस प्रीमियर 2025 भारतीय कारीगरी की वैश्विक पहचान का एक शानदार उदाहरण है। उन्होंने लिखा कि यह शो हमारे देश के ज्वेलरी उद्योग को वैश्विक मंच पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अदाणी ग्रुप के चेयररमेन गौतम अदाणी ने अपने संदेश में इसे भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत का प्रतीक बताया। तो रिलायंस ग्रुप के चेयररमेन मुकेश अंबानी ने अपने संदेश में कहा कि यह ज्वेलरी एग्जिबिशन भारत की सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिकता के साथ जोड़ने का एक अनूठा प्रयास है।

भारतीय ज्वेलरी उद्योग को वैश्विक मंच पर चमकाने में द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के आईआईजेएस ज्वेलरी शो ने एक बार फिर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जीजेईपीसी का लक्ष्य सन 2030 तक भारत के ज्वेलरी निर्यात को 75 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, और यह लक्ष्य जरूर मिलेगा, यह इस बार के शो की सफलता से साफ दिख रहा है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अपने लंदेश में इस शो को वैश्विक व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया और जीजेईपीसी के प्रयासों की सराहना की है।

आइआइजेएस प्रीमियर के भारत का प्रमुख और विश्व का दूसरा सबसे बड़ा ज्वेलरी शो होने की बात की जाए, तो यह वास्तव में सभी की आशाओं का केंद्र है। आइआइजेएस प्रीमियर को भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी शो होने का दर्जा प्राप्त है। इसके साथ ही यह ज्वेलरी शो विश्व का दूसरा सबसे बड़ा ज्वेलरी शो है। इसका कारण इसकी व्यापकता, विविधता, और वैश्विक खरीदारों की भागीदारी है। इस शो में 3600 से अधिक स्टॉल्स और 60 देशों से आए खरीदार इसकी वैश्विक अपील को दर्शाते हैं। यह ज्वेलरी एग्जिबिशन भारतीय ज्वेलरी उद्योग को न केवल एक मंच प्रदान करती है, बल्कि इसे वैश्विक बाजार में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जीजेईपीसी के चेयरमैन किरिट भंसाली ने इस ज्वेलरी एग्जिबिशन की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि आइआइजेएस प्रीमियर 2025 ने भारतीय ज्वेलरी उद्योग की ताकत को एक बार फिर साबित किया है। यह शो न केवल व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि भारतीय कारीगरी को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक अवसर भी है।

जीजेईपीसी के अन्य पदाधिकारियों ने भी इस शो की सफलता को आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल का हिस्सा बताया। सही मायने में कहें, तो आइआइजेएस प्रीमियर 2025 ने न केवल भारतीय ज्वेलरी उद्योग की ताकत को प्रदर्शित किया, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक नई पहचान भी दी। इस शो ने अपनी शानदार व्यवस्था, व्यापक उपस्थिति, और उत्कृष्ट बिक्री के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह ज्वेलरी एग्जिबिशन न केवल व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण थी, बल्कि भारतीय कारीगरी और संस्कृति को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने का एक शानदार मंच भी साबित हुई।

नेविल राणावत 40 अंडर 40 में सम्मानित

जीजेईपीसी द्वारा आईआईजेएस प्रीमियर के 41 वें संस्करण में रत्न और आभूषण उद्योग के युवा और उज्ज्वल प्रतिभाओं को 40 अंडर 40 में सम्मानित किया गया। यह 40 वर्ष से कम आयु के लोगों का तिसरा बैच था। यह पहल इन युवा प्रतिभाओं को उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देती है जो तकनीकी नए आयडीयाज और गतिशील दृष्टीकोण के माध्यम से रत्न और आभूषण क्षेत्र में क्रांति ला रहे हैं। इस कड़ी में स्वर्ण शिल्प चैन्स एण्ड ज्वेलरी प्रा. लि. के नेविल राणावत को भी इस सम्मान से सम्मानित किया गया।

रॉयल चेन्स ने किये 24 कैरेट सोने के आभूषण का अनावरण

आईआईजेएस प्रीमियर 2025 के दौरान रॉयल चेन्स ने 24 कैरेट सोने के आभूषण का अनावरण वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के भारत के सीईओ सचिन जैन ने किया। इस अवसर पर रॉयल चेन्स के सुरेश जैन, मनिष जैन, नमन जैन, स्नेह जैन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आभूषण टाइम्स सम्मानित

जीजेईपीसी द्वारा आयोजित आईआईजेएस 2025 के दौरान आभूषण टाइम्स को सम्मानित करते हुए जीजेईपीसी के चेयरमैन किरीट भंसाली, वाइस चेयरमेन शौनक पारिख, कन्वीनर नेशनल एक्जिबिशन जीजेईपीसी नीरव भंसाली, जीजेईपीसी के कार्यकारी निदेशक सब्यसाची रे ओर डॉली चौधरी।

महावीर जैन 40 अंडर 40 में सम्मानित

जीजेईपीसी द्वारा आईआईजेएस प्रीमियर के 41 वें संस्करण में रत्न और आभूषण उद्योग के युवा और उज्ज्वल प्रतिभाओं को 40 अंडर 40 में सम्मानित किया गया। यह 40 वर्ष से कम आयु के लोगों का तिसरा बैच था। यह पहल इन युवा प्रतिभाओं को उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देती है जो तकनीकी नए आयडीयाज और गतिशील दृष्टीकोण के माध्यम से रत्न और आभूषण क्षेत्र में क्रांति ला रहे हैं। इस कड़ी में शंकेश ज्वेलर्स प्रा. लि. के महावीर जैन को भी इस सम्मान से सम्मानित किया गया।

स्वर्ण शिल्प चैन्स एण्ड ज्वेलरी प्रा. लि के अरविंद राणावत आईआईजेएस प्रीमियर 2025 में उद्योग जगत के अग्रणी पुरस्कार से सम्मानित।

अगले साल से आईआईजेएस का नाम 'आईआईजेएस भारत'

मुंबई। जेम्स एवं ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) को इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो आईआईजेएस का नाम बदलकर 'आईआईजेएस भारत' करने की सरकार से अधिकारिक मंजूरी मिल गई है। आईआईजेएस प्रीमियर 2025 के उद्घाटन के दौरान जीजेईपीसी के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने इसकी घोषणा की। मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, मालाबार समूह के उपाध्यक्ष अब्दुल सलाम ने नेस्को, गोरेगांव में शुरू हुए आईआईजेएस प्रमियर 2025 का उद्घाटन किया। भंसाली ने कहा, हमारा लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी मशीनरी और तकनीकी कार्यक्रम की मेजबानी करना है।

शाईन शिल्पी ज्वेलर्स ने प्लैटिनम, सिरेमिक, गोल्ड का फ्यूजन ज्वेलरी कलेक्शन लॉन्च किया

मुंबई। आईआईजेएस प्रिमियर 2025 में शाईन शिल्पी ज्वेलर्स ने पुरूषों के लिए प्लैटिनम, सिरेमिक, गोल्ड का फ्यूजन ज्वेलरी कलेक्शन लॉन्च किया। नेस्को ग्लोबल मार्केट डेवलपमेंट की प्रमुख और इंडिया एंड एमई की प्रमुख वैशाली बनर्जी और शाईन शिल्पी के प्रमोद मेहता ने इसे लॉन्च किया। पुरूषों के लिए प्लैटिनम, सिरेमिक, गोल्ड नवीनतम तकनीक से निर्मित है जिसमें काले, भूरे और नीले रंग के सिरेमिक के साथ सोने और प्लैटिनम का उपयोग किया गया है। इसे युवाओं के चलन और मांग के अनुसार डिजाइन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को आकर्षित करना है। उत्पाद श्रृंखला न्यूनतम 5 ग्राम से लेकर 40 ग्राम तक उपलब्ध है, जिसमें अंगूठियाँ, कंगन, कड़ा, आदि शामिल है।

VIERA®

CZ JEWELLERY

Office no. 16-17, 1st Floor, Rajbaug Estate, 55 Tamba Kanta,
Above B Bhagat Tarachand Hotel, Pydhoni, Mumbai -400003.
Tel: 022 61838396 | I.com : 8396 | Email: orders.viera@gmail.com
+91 9167307501 | /VIERACZ | /VIERACZ

रत्न एवं आभूषण निर्यात की चमक फीकी पड़ी

अमेरिका द्वारा अप्रैल में लगाए गए 10 प्रतिशत जवाबी शुल्क के बाद अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका को निर्यात धीमा हो गया।

भारत के रत्न एवं आभूषण निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क की अमेरिकी घोषणा के बाद इस क्षेत्र की रफ्तार थम गई है। निर्यात थमने से रोजगार का एक प्रमुख स्रोत समझे जाने वाले इस क्षेत्र को तगड़ा झटका लगा है। 7 अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क लागू होने के बाद इस क्षेत्र पर कुल शुल्क बढ़कर 31.5 प्रतिशत (जिसमें 5.5 से 7 प्रतिशत का सर्वाधिक तरजीही देश शुल्क भी शामिल है) हो गया। आभूषण पर सर्वाधिक तरजीही देश शुल्क अप्रैल से पहले से ही लागू था।

अतिरिक्त शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा, जिसके बाद कुल शुल्क बढ़कर 55.5 प्रतिशत हो जाएगा। अमेरिका द्वारा अप्रैल में लगाए गए 10 प्रतिशत जवाबी शुल्क के बाद अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका को निर्यात धीमा हो गया। वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका को 9.2 अरब डॉलर के रत्न एवं आभूषण का निर्यात हुआ था जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में यह आंकड़ा केवल 1.5 अरब डॉलर रहा था। इसका नतीजा यह हुआ है कि अमेरिका को रत्न एवं आभूषण के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 32.2 प्रतिशत से घट कर 22.9 प्रतिशत हो गई है। मगर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की हिस्सेदारी पहली तिमाही में 27.4 प्रतिशत से बढ़कर 34.4 प्रतिशत हो गई है। इस उद्योग से जुड़े सूत्रों ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में यूएई से निर्यात बढ़ गया था। इसके अलावा, निर्यातकों ने अप्रैल में 10 प्रतिशत शुल्क लागू होने से एक सप्ताह पहले अमेरिका को 50 करोड़ डॉलर मूल्य के रत्न एवं आभूषण भेजे थे जबकि कुछ निर्यात पिछले सप्ताह 10 प्रतिशत के साथ किए गए थे। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत का रत्न एवं आभूषण का सकल निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में 5.4 प्रतिशत गिरकर 6.48 अरब डॉलर हो गया जबकि सकल आयात 2.3 प्रतिशत घटकर 5.34 अरब डॉलर रह गया।

जीजेईपीसी के के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने कहा, 'अमेरिका भारत के लिए सबसे बड़ा बाजार (10 अरब डॉलर से अधिक) है। हमारे उद्योग के कुल वैश्विक व्यापार में अमेरिकी बाजार की हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है। भारत से सभी प्रकार के निर्यात पर इतना भारी भरकम शुल्क रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के लिए विनाशकारी है।' सीप्ज विशेष आर्थिक क्षेत्र से होने वाला निर्यात सीधे प्रभावित हुआ है क्योंकि इसका 85 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका जाता है। इससे करीब 50,000 रोजगार पर असर पड़ेगा। भारत से तराशे और पॉलिश किए गए आधे हीरे अमेरिका जाते हैं।

संगम हाऊस ऑफ ज्वेल्स (रमण सोलंकी ग्रुप) 17/19 धनजी स्ट्रीट, स्वर्ण हाऊस, तीसरा माला, जवेरी बाजार, मुंबई नए कॉर्पोरेट ऑफिस के शुभारंभ पर रमणभाई सोलंकी को शुभकामनाएं देते हुए। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश बाफना, सेक्रेट्री श्रेयांश कोठारी, ज्वाइंट ट्रेजरार नरेन्द्र नवलखा, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश कागरेचा, पूर्व मंत्री अनिल पामेचा और सदस्य महेन्द्र चोरडिया।

आभूषण टाइम्स द्वारा मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सफरनामा और आईआईजेएस 2025 के विशेषांक का विमोचन करते हुए मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश बाफना, सेक्रेट्री श्रेयांश कोठारी, उपाध्यक्ष संदिप कोठारी, दिनेश कोठारी, ज्वाइंट सेक्रेट्री रिंकू बाफना, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश कागरेचा, पूर्व मंत्री अनिल पामेचा, आभूषण टाइम्स के प्रधान संपादक सिद्धराज लोढ़ा और संपादक राकेश लोढ़ा।

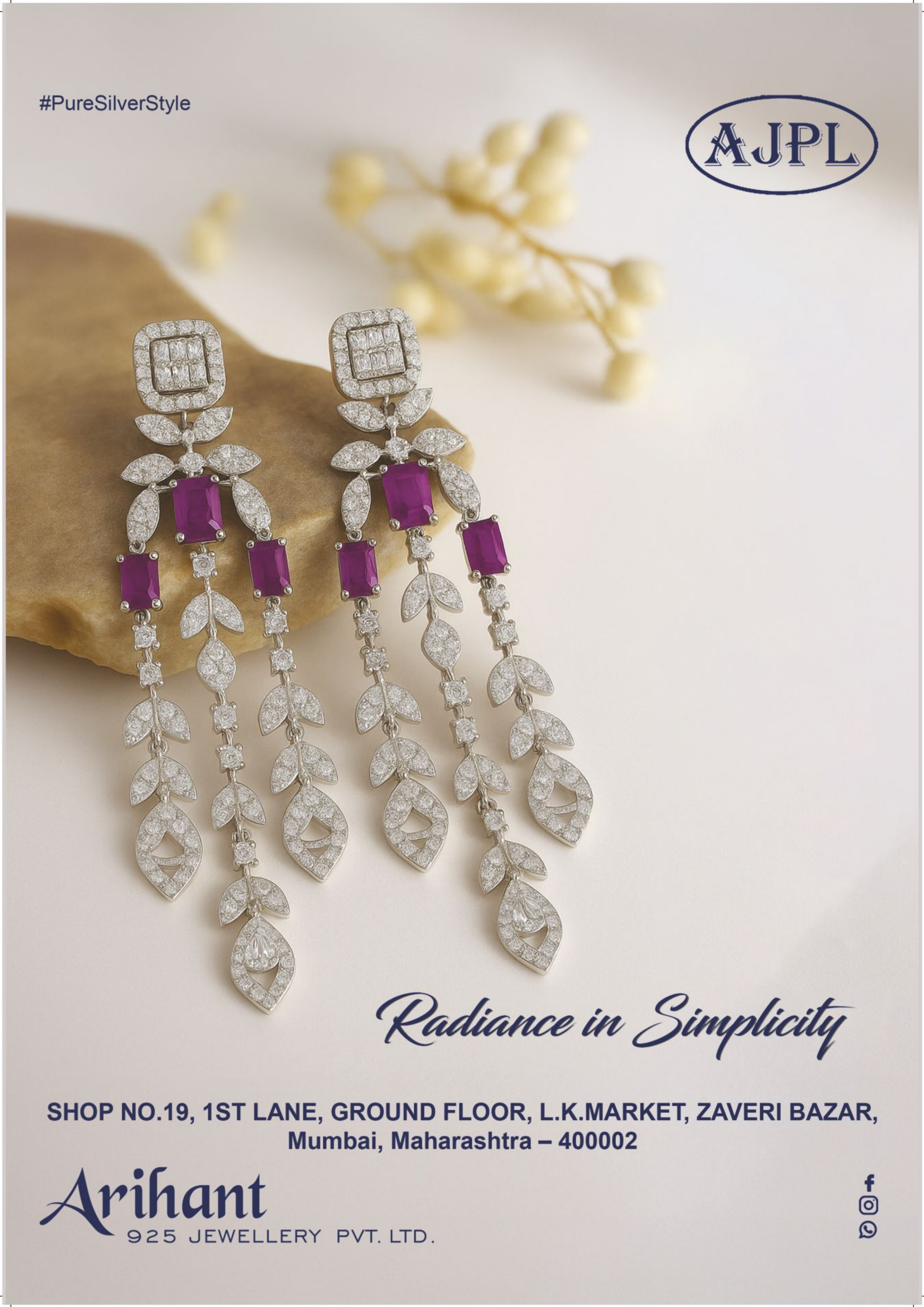
#PureSilverStyle
AJPL
Radiance in Simplicity
SHOP NO.19, 1ST LANE, GROUND FLOOR, L.K.MARKET, ZAVERI BAZAR,
Mumbai, Maharashtra – 400002
Arihant
925 JEWELLERY PVT. LTD.

आपके अटल विश्वास और अटूट प्रेम की डोर में बंधे है
हमारे नयनाभिरम्य स्वर्ण आभूषण

Sakariya Jewels

**Specialist in : 916 Hallmark Gold Jewellery
& Certified Diamond Jewellery (Wholesale & Retail)**

177/179, Laxmi House, Ground Floor
Near Cotton Exchange, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 6816, 4968 6425 | I.Com: 7285

Sakariya
JEWELLERS

WHOLESALE & RETAIL GOLD EXCLUSIVE JEWELLERY

177/179, Kalbadevi Road, Laxmi House, 1st Floor
Near Cotton Exchange, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 4800, 2240 4825 | Fax : 2240 1023, I.Com: 7283

स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स लिमिटेड ने आईआईजेएस प्रीमियर में लॉन्च किया 24 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी ब्रांड PUREZA

मुंबई। स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स लिमिटेड ने हाल ही में संपन्न हुए आईआईजेएस प्रीमियर में अपने नए 24 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी ब्रांड PUREZA का लॉन्च किया। 31 जुलाई 2025 को नेस्को, गोरेगांव में वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के सीईओ सचिन जैन ने लॉन्च किया। इस अवसर पर स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स लिमिटेड के निदेशक दर्शन चौहान और महेंद्र चौहान और स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स लि. के मार्केटिंग और सेल्स के प्रमुख आकाश तलेसरा के साथ कई गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

PUREZA के उत्कृष्ट डिजाइनों और बेजोड़ शिल्पकला ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जो ब्रांड की शुद्धता और भव्यता के प्रति समर्पण को दर्शाता है। यह आयोजन अत्यंत सफल रहा और PUREZA ने लक्जरी ज्वेलरी बाजार में अपनी चमक बिखेरने की मजबूत शुरुआत की। स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स लिमिटेड की टीम ने सभी उपस्थित मेहमानों का इस अवसर को यादगार बनाने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। PUREZA के साथ, ब्रांड का लक्ष्य गोल्ड ज्वेलरी में सुंदरता को नया आयाम देना है, जो हर उत्सव के लिए कालातीत आभूषण पेश करता है।

स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स लिमिटेड ने IIJS प्रीमियर 2025 में नए ब्रांड '9ine' को किया लॉन्च

स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स लिमिटेड ने IIJS प्रीमियर 2025 में अपने नए 9 कैरेट सोने के आभूषण ब्रांड, 9ine लॉन्च किया। आज की पीढ़ी की बदलती पसंद को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया, 9ine हल्केपन, सुंदरता, किफ़ायतीपन और रोज़मर्रा के परिष्कार का एक ताज़ा मिश्रण प्रस्तुत करता है। इस नए कलेक्शन के साथ, स्काई गोल्ड आभूषण क्षेत्र में नवाचार की अपनी विरासत को जारी रखते हुए, खूबसूरती से तैयार किए गए आभूषण डिज़ाइन पेश करता है जो जितने स्टाइलिश हैं उतने ही बहुमुखी भी हैं। 9ine का लॉन्च, डिज़ाइन या गुणवत्ता से समझौता किए बिना, उत्तम आभूषणों को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अनावरण में मुख्य अतिथि वर्गीस अलुक्कास, प्रबंध निदेशक जॉस अलुक्कास द्वारा किया गया। स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स लिमिटेड के निदेशक दर्शन चौहान और महेंद्र चौहान और कई उद्योग के दिग्गज शामिल थे। स्काई गोल्ड सभी को 9 कैरेट सोने के आभूषणों के एक नए दृष्टिकोण, 9ine का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है।

OPENING & CLOSING RATES

1-31 July 2025

GOLD ₹ SILVER RATE CHART

Source : India Bullion and Jewellers Association Ltd.

Note: 1. Below Rates are exclusive of VAT. 2. Opening Rates are not provided on Saturday 3. Opening and Closing Rates are not provided on Sunday's and Holidays.

Date	Gold 999 (AM Price)	Gold 999 (PM Price)	Gold 995 (AM Price)	Gold 995 (PM Price)	Gold 916 (AM Price)	Gold 916 (PM Price)	Silver 999 (AM Price)	Silver 999 (PM Price)
	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	1 Kg	1 Kg
06-Jul-25	SUN							
07-Jul-25	96737	96596	96350	96209	88611	88482	107024	106531
08-Jul-25	97195	96972	96806	96584	89031	88826	107690	107500
09-Jul-25	96135	96085	95750	95700	88060	88014	107363	107280
10-Jul-25	96838	97046	96450	96657	88704	88894	106900	107934
11-Jul-25	97473	97511	97083	97121	89285	89320	110300	110290
12-Jul-25	SAT							
13-Jul-25	SUN							
14-Jul-25	98097	98303	97705	97909	89857	90046	113773	113867
15-Jul-25	97964	97916	97572	97524	89735	89691	112000	111997
16-Jul-25	97460	97500	97070	97110	89273	89310	110996	111200
17-Jul-25	97370	97453	96980	97063	89191	89267	110937	111000
18-Jul-25	97828	98243	97436	97850	89610	89991	112300	112700
19-Jul-25	SAT							
20-Jul-25	SUN							
21-Jul-25	98791	98896	98395	98500	90493	90589	112760	113465
22-Jul-25	99363	99508	98965	99110	91017	91149	114252	114493
23-Jul-25	100502	100533	100100	100130	92060	92088	115500	115850
24-Jul-25	99107	98880	98710	98484	90782	90574	114550	115092
25-Jul-25	98735	98388	98340	97994	90441	90123	114988	114342
26-Jul-25	SAT							
27-Jul-25	SUN							
28-Jul-25	98375	98446	97981	98052	90112	90177	113207	112984
29-Jul-25	98274	98296	97880	97902	90019	90039	113590	113307
30-Jul-25	98687	99017	98292	98620	90397	90700	113600	113400
31-Jul-25	98414	98534	98020	98139	90147	90257	111745	109950

फीकी पड़ेगी गोल्ड की चमक! इस कारण अमेरिकी सरकार ने बनाया ये प्लान

अमेरिकी सरकार की योजना एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी करने की है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाएगा कि गोल्ड बार का आयात टैरिफ के दायरे से बाहर रहेगा। यह खुलासा न्यूज एजेंसी ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में हुआ है। इससे पहले हालिया दिनों में कंफ्यूजन की वजह से गोल्ड की कीमतें नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गई थीं।

बता दें कि अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के एक फैसला किया जिसमें कहा गया था कि एक किग्रा और 100 औंस (करीब 2.83 किग्रा) के बुलियन बार्स पर देश के हिसाब से ड्यूटी लगेगी। इस फैसले से आशंका होने लगी कि दुनिया के सबसे बड़े गोल्ड रिफाइनिंग हब स्विटजरलैंड से इसके आयात पर 39 प्रतिशत का टैरिफ लग सकता है।

गोल्ड बार के आयात को टैरिफ से बाहर रखने की

योजना के रिपोर्ट पर गोल्ड के फ्यूचर्स फिसल गए। प्रति औंस 3,534.10 के रिकॉर्ड हाई लेवल से यह नीचे आ गया। Hargreaves Lansdown के प्रमुख (मनी एंड मार्केट्स) Susannah Streeter का कहना है कि हाल ही में गोल्ड की कीमतों में घबराहट भरी तेजी से यह स्पष्ट है कि सुरक्षित माने जाने वाले एसेट्स भी टैरिफ के दौर की उठा-पटक से अछूते नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टैरिफ को लेकर अनिश्चितता के बीच कुछ स्विस रिफाइनरीज ने अमेरिका को डिलीवरी रोक दी है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यदि टैरिफ लगाए गए, तो Comex और लंदन गोल्ड प्राइस के बीच प्राइस प्रीमियम बढ़ सकता है, जिससे आर्बिट्राज (मुनाफाखोरी) के नए मौके बन सकते हैं। पिछले साल स्विट्जरलैंड ने अमेरिका को 6.2 हजार करोड़ का गोल्ड निर्यात किया था, जिनमें ज्यादातर एक किलो के बार्स थे। 39 प्रतिशत टैरिफ के हिसाब से इसकी अतिरिक्त लागत 2.4 हजार करोड़ तक पहुंच सकती है। फिलहाल स्विस अधिकारी अमेरिका के साथ टैरिफ कम करने को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

PURPLE
JEWELS PVT. LTD.
#PurpleJewels
Grace, carved in silver
BENGALURU
9844100503
CHENNAI
9841472000
MUMBAI
9920274644
HYDERABAD
9035130300

जीजेएस ज्वेलरी शो

ज्वेलरी इंडस्ट्री का हमारा अपना शो 16 से 19 सितंबर तक

भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री का एक प्रमुख आयोजन जीजेएस ज्वेलरी शो एक बार फिर मुंबई में अपनी चमक बिखेरने के लिए तैयार है। 16 से 19 सितंबर 2025 तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बीकेसी में आयोजित होने वाला यह शो ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) द्वारा प्रस्तुत किया जाता रहा है। 'हमारा अपना शो' की टैगलाइन के साथ यह आयोजन भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री में बी2बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) व्यापार के लिए एक अग्रणी मंच के रूप में स्थापित हो चुका है। यह शो न केवल ज्वेलरी डिजाइनों की विविधता और व्यापारिक विकास की संभावनाओं को प्रदर्शित करता है, बल्कि इंडस्ट्री के विकास और नेटवर्किंग के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। जीजेएस ज्वेलरी शो की विशेषताओं की वजह से इसकी सफलता के इतिहास के चमकते पन्ने ज्वेलरी इंडस्ट्री में इसकी भूमिका को और मजबूत कर रहे हैं। यह शो ज्वेलरी बिजनेस के विकास में जीजेसी के महत्वपूर्ण योगदान और इसके भविष्य को विस्तार देने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस बार के 'जीजेएस ज्वेलरी शो' की सफलता के लिए जीजेसी ने जबरदस्त मेहनत की है।

जीजेएस ज्वेलरी शो - 2025' को अनंत संभावनाओं वाला शो कहा जा सकता है। इस शो में गोल्ड, सिल्वर, डायमंड, प्लेटिनम, प्रीशियस स्टोन्स ज्वेलरी तथा ज्वेलरी ट्रेड से जुड़े अन्य व्यवसायों के विकास के लिए नए रास्ते खुलने की कई संभावनाएं हैं, जो इसे एक भव्य आयोजन बनाती हैं। इस वर्ष जीजेएस ज्वेलरी शो 2.5 लाख वर्ग फीट के विशाल क्षेत्र में आयोजित होगा, जिसमें 400 से अधिक एग्जिबिटर्स हिस्सा लेंगे। ये एग्जिबिटर्स लगभग 20 लाख ज्वेलरी डिजाइनों को प्रदर्शित करेंगे, जो भारतीय शिल्पकला, परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम होंगे। इस शो में

जीजेएस ज्वेलरी शो एक प्रेरणा स्रोत है, जो न सिर्फ देश के बड़े बड़े शहरों के ज्वेलरी के निर्माताओं, व्यापारियों, एक्सपोर्टस और डिजाइनरों को, बल्कि छोटे शहरों के ज्वेलर्स को भी आकर्षित करता है। इस शो का आयोजन भारतीय आभूषण उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने में मदद करता है।

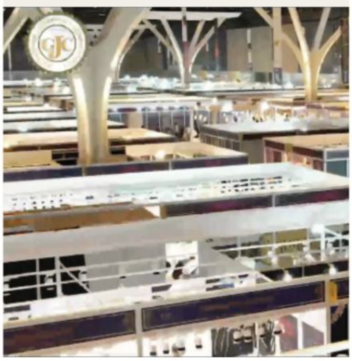

15,000 से अधिक विजिटर्स और 2,000 से अधिक होस्टेड बायर्स की भागीदारी अपेक्षित है, जो इसे देश के सबसे बड़े ज्वेलरी व्यापार मेलों में से एक बनाता है। जीजेसी ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए देश भर में 100 से अधिक शहरों में रोड शो आयोजित किए हैं। इन रोड शो के माध्यम से ज्वेलर्स, डिजाइनरों, और व्यापारियों को इस शो में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। यह प्रयास न केवल जीजेएस ज्वेलरी शो' की लोकप्रियता को दर्शाता है, बल्कि इंडस्ट्री के सभी लोगों को एक मंच पर लाने की जीजेसी की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के पदाधिकारियों ने जीजेएस ज्वेलरी शो को सफल बनाने में कड़ी मेहनत की है। जीजेसी के चेयरमेन राजेश रोकड़े, वाइस चेयररमेन अविनाश गुप्ता, पूर्व चेयरमेन एवं जीजेएस के कन्वीनर संयम मेहरा, सीओए मेंबर रूपेश तांबी एवं साहिल मेहरा, तथा कोऑप्टेड मेंबर राजेश सोनी जीजेएस ज्वेलरी शो की सफलता की दिशा में गंभीरता से हर काम कर रहे हैं। जीजेएस ज्वेलरी शो की सफलता के लिए पूर्व चेयरमेन आशीश पेठे, अशोक मीनावाला, नितिन खंडेलवाल, सहित सीओए मेंबर नीलेश शोभावत, एवं वर्धनाल आशिष कोठारी, एवं 'जीजेएस' के कमेटी मेंबर्स नीतिन साकरिया, प्रमोद मेहता, सुमित दस्सानी, एवं विनोद जैन शो की सफलता के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ मेहनत कर रहे हैं। जीजेएस ज्वेलरी शो के इन सभी पदाधिकारियों व कमेटी मेंबर्स की कोशिश है कि इस बार को शो पिछले हर सो से ज्यादा सफल रहे ताकि बाजार में गोल्ड व सिल्वर के बढ़ते रेट्स के दौर में ज्वेलरी इंडस्ट्री को हर तरह से मजबूत सहयोग दिया जा सके।

जीजेएस ज्वेलरी शो को लेकर हम कह सकते हैं कि बाजार में उत्साह का माहौल तथा गोल्ड की कीमतों के बावजूद यह जोश बरकरार है, यह महत्वपूर्ण बात है। हाल के दिनों में सोने की कीमतें 1 लाख 3 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच चुकी हैं तथा सिल्वर भी 1 लाख 17 हजार के आसपास का आंकड़ा छू चुका है।

राजेश रोकडे
चेयरमेन-जीजेसी

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल के नेतृत्व में, जीजेएस का यह आयोजन उद्योग के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। शो में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए ज्वेलरी डिज़ाइनर अपनी कला और शिल्प का प्रदर्शन करते हैं। यहां पारंपरिक से लेकर आधुनिक, हर तरह के आभूषण देखने को मिलते हैं।

इसके बावजूद, मुंबई के ज्वेलर्स और देश भर के ज्वेलरी व्यापारियों में जीजेएस ज्वेलरी शो को लेकर अपार उत्साह देखा जा रहा है। इस उत्साह का एक प्रमुख कारण हाल ही में संपन्न आइआइजेएस प्रीमियर जैसे आयोजनों की अपार सफलता है, जहां 70 से 90 हजार करोड़ रुपये का व्यापार हुआ। यह आंकड़ा भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की मजबूती और उपभोक्ताओं के बीच आभूषणों की निरंतर मांग को दर्शाता है। जीजेएस ज्वेलरी शो भी इस मांग को पूरा करने और व्यापारियों को नए अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है।

जीजेएस ज्वेलरी शो की पिछली सफलताएं देखें, तो जीजेएसी की कोशिशों का शानदार इतिहास इसकी सफलता और प्रभाव का गवाह है। उदाहरण के लिए, पिछले कुछ सालों में आयोजित जीजेएस ज्वेलरी शो के कुछ शो के विभिन्न संस्करणों ने ज्वेलरी इंडस्ट्री में नए मानक स्थापित किए। इन आयोजनों में अब तक लाखों ज्वेलर्स, डिजाइनर्स, और बायर्स ने देश भर से आकर भाग लिया है, जिसके परिणामस्वरूप व्यापारिक सौदों और नेटवर्किंग के कई अवसर पैदा हुए तो संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। जीजेएस ज्वेलरी शो ने न केवल नवीनतम ज्वेलरी डिजाइनों को प्रदर्शित किया, बल्कि इंडस्ट्री के लिए नए ट्रेंड्स और तकनीकों को भी जीजेएस ज्वेलरी शो सामने लाया है। पिछले शो में होस्टेड बायर्स प्रोग्राम की सफलता ने इसे विशेष रूप से आकर्षक बनाया। इस प्रोग्राम के तहत, चुनिंदा बायर्स को विशेष सुविधाएं और व्यापारिक अवसर प्रदान किए गए, जिससे उनके लिए उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों का चयन करना आसान हुआ। इसके अलावा, शो में प्रदर्शित डिजाइनों की विविधता ने छोटे और बड़े दोनों तरह के ज्वेलर्स को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर दिया।

ज्वेलरी बिजनेस के विकास में जीजेएस जैसे शो की अहम भूमिका रही है, तथा जीजेसी का योगदान भी खास रहा है। देश भर में विभिन्न समय समय पर होने वाले ज्वेलरी शो को दृखकर अपने अनुभवों के आधार पर हम सभी जानते ही हैं कि ज्वेलरी एग्जिबिशन भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री के विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये आयोजन न केवल ज्वेलरी निर्माताओं तथा ज्वेलरी के होलसेल व्यापारियों और शोरूम में सजाकर ज्वेलरी बेचने वाले खरीदारों को एक मंच पर लाते हैं, बल्कि बिजनेस की संभावनाओं, डिजाइन, और तकनीक को भी बढ़ावा देने में भी मदद करते हैं। जीजेएस ज्वेलरी शो इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। इसकी टैगलाइन 'हमारा अपना शो' भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की एकता और गौरव को दर्शाती है। यह शो न केवल बड़े ब्रांड्स के लिए, बल्कि छोटे और मध्यम स्तर के ज्वेलर्स के लिए भी एक खास अवसर प्रदान करता है।

देश भर के ज्वेलरी बिजनेस से जुड़े लोग जानते हैं कि जीजेएस ज्वेलरी शो ने इंडस्ट्री में नेटवर्किंग को बढ़ावा दिया है। यह ज्वेलरी व्यापारियों को नए आपूर्तिकर्ताओं, डिजाइनरों, और ग्राहकों से जोड़ता है, जिससे व्यापारिक रिश्ते मजबूत होते हैं। इसके अलावा, यह शो नवीनतम ट्रेंड्स, जैसे कि लाइट वेट ज्वेलरी, सस्टेनेबल ज्वेलरी, और कस्टमाइज्ड डिजाइन्स को प्रदर्शित करने का एक मंच भी प्रदान करता है।

देश में ज्वेलरी बिजनेस के विकास में ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) का योगदान देखा जाए, तो जीजेसी भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री का एक प्रमुख संगठन है, जो इंडस्ट्री के हितों की रक्षा और इसके विकास के लिए समर्पित है। जीजेसी की स्थापना का उद्देश्य ज्वेलरी इंडस्ट्री के सभी बिजनेसमेन, जैसे कि निर्माताओं, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, और एक्सपोर्टर्स को एक मंच प्रदान करना है। यह संगठन नीतिगत सुधारों, इंडस्ट्री मानकों, और नैतिक व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीजेसी न केवल जीजेएस जैसे बड़े आयोजनों का आयोजन करता है, बल्कि इंडस्ट्री के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी विकास, और बाजार के समय समय पर विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में भी योगदान देता है। इसके रोड शो और जागरूकता अभियान देश भर के ज्वेलर्स को इंडस्ट्री की नवीनतम जानकारी और अवसरों से जोड़ते हैं। जीजेसी का होस्टेड बायर्स प्रोग्राम भी एक अनूठी पहल है, जो चुनिंदा खरीदारों को विशेष सुविधाएं प्रदान करता है, जिससे व्यापारिक सौदों की संभावना बढ़ती है।

जीजेएस ज्वेलरी शो भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री का एक ऐसा मंच है, जो परंपरा, नवाचार, और व्यापार को एक साथ जोड़ता है। 16 से 19 सितंबर 2025 को मुंबई में होने वाला यह शो न केवल ज्वेलरी डिजाइनों की विविधता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि इंडस्ट्री के लिए नए व्यापारिक अवसर और नेटवर्किंग की संभावनाएं भी खोलेगा। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल के नेतृत्व में यह आयोजन इंडस्ट्री के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। गोल्ड की बढ़ती कीमतों के बावजूद, ज्वेलर्स और खरीदारों में इस शो को लेकर उत्साह इस बात का प्रमाण है कि भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की मांग और लोकप्रियता अटूट है। जीजेएस शो न केवल व्यापारियों के लिए, बल्कि उपभोक्ताओं और डिजाइनरों के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत है। इसकी टैगलाइन 'हमारा अपना शो' इसकी आत्मीयता और इंडस्ट्री के प्रति इसके समर्पण को दर्शाती है। ज्वेलरी इंडस्त्री को पक्का विश्वास है कि यह शो निश्चित रूप से भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

अविनाश गुप्ता
वाईस चेयरमेन-जीजेसी

जीजेएस ज्वेलरी शो, जिसे हमारा अपना शो के नाम से इसलिए जाना जाता है, क्योंकि भारतीय आभूषण उद्योग के लिए यह एक महत्वपूर्ण मंच है। यह शो परंपरा तथा नए जमाने की ज्वेलरी के खरीदारों और व्यापार को एक साथ जोड़ता है। इस साल यह शो मुंबई में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा, यह पूरा विश्वास सभी को होगा।

संयम मेहरा
कन्वीनर-जीजेएस

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल का यह शो सिर्फ आभूषणों को प्रदर्शित करने का मंच ही नहीं है, बल्कि यह व्यापारिक संभावनाओं और नेटवर्किंग के लिए भी एक बेहतरीन अवसर है। देश भर से आने वाले ज्वेलरी बिजनेस से जुड़े हजारों खरीदार यहां नई डील करते हैं और इंडस्ट्री में नए संबंध विकसित करते हैं।

नितीन खंडेलवाल
पूर्व चेयरमेन-जीजेसी

जीजेएस शो एक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है, जहां हर किसी को नए ग्राहकों से जुड़ने, नए व्यापारिक संबंध बनाने और अपनी पहुंच को बढ़ाने का मौका मिलता है। इस शो में ज्वेलरी की एक विस्तृत रैंज देखनो सथा समझनो के मिलती है, जिससे खरीदारों को नवीनतम रुझान समझने के अवसर मिलते हैं।

ANSAA
JEWELLERS (P) LTD.

Office No. 23 & 24 2nd Floor, 118, Kansara Chawl Co-op. Hsg. Society Limited
Kalbadevi Road, Near Surti Hotel, Bhuleshwar, Mumbai-400 002.
Tel.: +91 (22) 22411244 / 1245 / Email : kantipshah@gmail.com
Website : www.ansaajewellers.com Intercom : 4003 & 3607

Shashwat
Ornaments
Purity. Finnese. Luxury
(Diamond Jewellery Unit)

SANGAM™
CHAINS N JEWELS
(Unit of Shashwat Ornaments Pvt. Ltd.)
(Gold Jewellery Unit)

Head Office : G4 Melestar House, 2nd Floor, MIDC Cross Road, A, Near Marol Bus Depot, Andheri (East), Mumbai-400093
Branches : DD Jewels Market, 4th Floor, 1st Agyari Lane, Zaveri Bazar, Opp. Khau Galli, Mumbai-400003
Branches : Thrissur (Kerala), BDB BKC (Mumbai)

DL LAKHANI

Beyond Celebrations...

With Best Compliments From

- LAKHANI CATERERS
- LAKHANI TRADERS
- LAKHANI CATERING
- LAKHANI HOSPITALITY
- NITYA INC

LD Lakhani Decorator

Dewang Lakhani
9819384241

Rajesh Lakhani
9820084241

OUR PANEL : • **SAYA RESORT** (BHIWANDI) •**TULIP STAR** (JUHU, VILE PARLE W) •**NSCI**(WORLI) • **QUEENS LAWN** (BORIVILI W)

OUR ASSOCIATES • **BAYVIEW** (MAZGAON) • **KUTCHI GROUND** (BORIVILI W) • **PARSEE GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **KORA KENDRA GROUND** (BORIVILI W) • **WILSON GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **PUSPANJALI GROUND** (BORIVILI W) • **ISLAM GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **SRPF GROUND** (JOGESHWARI E) • **SOMAIYA GROUND** (GHATKOPAR) • **JVPD** (JUHU,VILE PARLE W)

MOGRA Banquet by D Lakhani Hospitality / Rajiv Gandhi Institute, Versova Link Road, (Andheri West).

BANQUET • CATERING • DECOR • HOSPITALITY

LAKHANI BANQUET

Managed By D Lakhani Hospitality
(Malad West)

Address: Office No 6, 1st Floor, kutch Castle Building, Opp.Tiwari Sweets,Opera House, Mumbai - 400004.

Follow Us On D LAKHANI HOSPITALITY http://dlakhanihospitality.com/

ml RJS
ml kanhaiyalal™
JEWELS
Manufacturer of
Plain Gold Jewellery
RA®
ramasha
Gems and Jewels LLP
Manufacturer of
Diamond Jewellery
MANISH SONI
+91 98207 76844
Ramjivanlal Soni
AMIT SONI
+91 98207 70094
A-1401, Aaditya Pearl, 14th Floor, P H Purohit Lane,
Cavel 1st X Lane, Ramwadi, Kalbadevi, Mumbai-400 002.
84620 09009 | 2201 1313 / 2201 1312
mlkjewels2015@gmail.com | ramashajewels @gmail.com
Follow us on : ramashajewels/
WE HAVE NO OTHER BRANCHES

• M. V. Jain
93222 26413

• Pravin M. Jain
98200 63687

Shree vardhaman
JEWELLERS

MFG. & WHOLESALERS OF :
ALL TYPES OF MACHINE CHAINS & ORNAMENTS

8, 1st Floor, Ladiwala Chambers, 11-13, Shaikh Memon Street Mumbai - 400 002. INDIA.
Tel.: 022 2242 6010 / 022 2242 3989 98200 63687 • Email : shreevardhamanjew@gmail.com

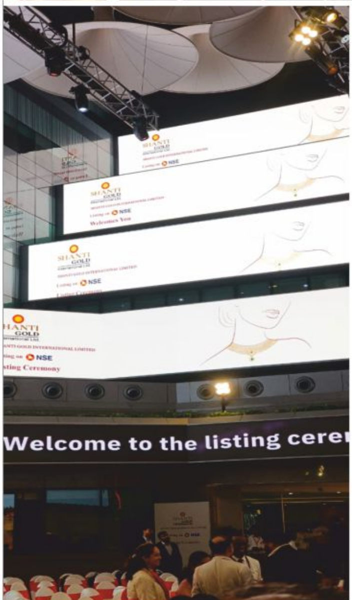

शांति गोल्ड इंटरनेशनल लि. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में हुआ सुचिबद्ध

शांति गोल्ड इंटरनेशनल लिमिटेड का आईपीओ शानदार सफलता के साथ 80.78 गुना ओवर सब्सक्राइब हुआ। कंपनी ने इस पेशकश से कुल रू 20,362 करोड़ की राशि जुटाई। निवेशकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के बीच एंकर निवेशकों ने 1 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने 117.33 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल बायर्स (रू10 लाख से अधिक) ने 173.08 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल बायर्स (रू10 लाख से कम) ने 107.35 गुना, और रिटेल निवेशकों ने 29.73 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया।

कंपनी ने कुल 1,26,67,200 शेयरों की पेशकश की, जिसमें से 1,02,32,61,750 शेयरों के लिए बोली लगाई गई। एंकर निवेशकों ने 54.28 लाख शेयरों के लिए बोली लगाई, जबकि कुल राशि रू108.03 करोड़ रही।

संगम हाउस ऑफ ज्वेल्स (रमण सोलंकी ग्रुप) ने लॉन्च किया अपना नया कॉर्पोरेट कार्यालय

मुंबई। अपनी प्रसिद्ध विरासत में एक नया साहसी अध्याय जोड़ते हुए, संगम हाउस ऑफ ज्वेल्स (रमण सोलंकी ग्रुप) के नए कॉर्पोरेट कार्यालय का उद्घाटन जीजेसी के चेयरमेन राजेश रोकडे और इब्जा के चेयरमेन पृथ्वीराज कोठारी ने किया। जिससे इसके अभियान मंत्र और भी शक्तिशाली, और भी नवाचारी को ताकत मिली है। संस्थापक रमन सोलंकी के नेतृत्व में, यह ब्रांड भारतीय आभूषण जगत में गहरी प्रतिष्ठा अर्जित कर चुका है। अब अगली पीढ़ी, भाविक (मोंटू) आर. सोलंकी और चिन्तन आर. सोलंकी के साथ, इस विरासत में नई ऊर्जा, रचनात्मकता और भविष्यदर्शी बिजनेस दृष्टिकोण का संचार हुआ है।

नया दफ्तर केवल बड़ा नहीं है- बल्कि रणनीतिक रूप से संरचित, सोच-समझकर डिजाइन किया गया और ब्रांड की बढ़ती प्रतिष्ठा का शक्तिशाली प्रतीक है। प्रीमियम एंटीक ज्वेलरी, क्रिएटिव ऑर्नामेंट्स और डिजाइनर चेन में संगम हाउस ऑफ ज्वेल्स राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बना चुका है।

यह नया क्षेत्र सिर्फ दफ्तर नहीं - एक स्टेटमेंट है, भाविक आर सोलंकी कहते हैं यह संगम हाउस ऑफ ज्वेल्स के एक अधिक संगठित और डिज़ाइन-प्रधान संगठन के रूप में विकसित होने को दर्शाता है, जो आधुनिक रिटेल ज्वेलर्स की नब्ज़ को समझता है। चिंतन आर. सोलंकी कहते हैं कि पैन इंडिया रिटेल ज्वेलर्स का विश्वसनीय ब्रांड संगम हाउस ऑफ ज्वेल्स भारत भर के 1000+ शीर्ष रिटेल ज्वेलर्स के साथ साझेदारी करता है, अपनी निरंतरता, रचनात्मकता और बेहतरीन गुणवत्ता से प्रतिष्ठा अर्जित करता है। चाहे वह मिनिमलिस्टिक डिजाइनर चेन हों या परंपरा से भरपूर एंटीक ज्वेलरी, कंपनी के उत्पाद ट्रेंड सेट करने और आत्मविश्वास जगाने के लिए जाने जाते हैं। रमण सोलंकी कहते है कि नवाचार और रचनात्मकता में अग्रणी एंटीक और चेन कलेक्शंस का बेजोड़ स्टॉक तत्काल आपूर्ति के लिए उपलब्ध डिजाइन नेतृत्व हमने कांसेप्ट से क्रिएशन की कला में महारथ हासिल की है। गहरी उद्योग जानकारी के साथ डिजाइन-प्रमुख सोच और गुणवत्ता, कारीगरी की गारंटी हर उत्पाद में प्रीमियम टच शामिल है। सबसे अधिक बिकने वाले डिजाइन जो बिकता है वही बनाते हैं और लाइट व हेवी ज्वेलरी दोनों में कैटेगरी मे बनाते है।

इस अवसर पर मुंबई सहित देशभर से कई ज्वेलर्स व्यवसायी उपस्थित थे जिसमें नेशनल कन्वीनर जीजेएस संयम मेहरा, इब्जा सेक्रेट्री सुरेन्द्र मेहता, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश बाफना, मनिष जैन रॉयल चेन्स, अनिष बिरावत चेन एन चेन, प्रमोद मेहता शाईन शिल्पी, चेतन थडेश्वर श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लि. विनोद वडाला वि चेन्स, महेन्द्र चोरडिया स्वर्ण सरिता, संजय जैन एस के ज्वेलर्स, किर्ती सुराणा आराधना ज्वेलर्स प्रा. लि., श्रेयांश कोठारी बी डी बेंगल्स, प्रकाश कागरेचा चेन्स कॉर्नर, दिपक सेठ एस के सेठ ज्वेलर्स, अनिल पामेचा स्काय चेन्स, नरेन्द्र नवलखा स्वर्ण श्री चेन्स, पोपटलाल संघवी पायल गोल्ड, शैलेश डागा पलक ज्वेलर्स, नितीन साकरिया साकरिया ज्वेलर्स, भावेश जैन भावेश मंगलसूत्र, प्रेम मेहरा यूनिक चेन्स, कांतिलाल शाह अंसा ज्वेलर्स, प्रदीप सोलंकी सोलंकी ज्वेलर्स, मदन कोठारी मास्टर चेन्स, सुशिल सोलंकी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी मेहमानों का स्वागत रमण सोलंकी, चिंतन सोलंकी, भाविक सोलंकी ने किया।

श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड ने आईआईजेएस प्रीमियर 2025 में शुद्ध 24 कैरेट सोने में निर्मित भारत के पहले HUID हॉलमार्क वाले मंगलसूत्र लॉन्च किया

मुंबई। मंगलसूत्र शिल्पकला में भारत का सबसे प्रतिष्ठित नाम, श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड, IIJS प्रीमियर प्रदर्शनी में अपने स्टॉल पर '24K शुद्ध' संग्रह के ऐतिहासिक लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है, जो भारत में पहली बार HUID हॉलमार्क वाले मंगलसूत्र संग्रह में से एक है। यह संग्रह पूरी तरह से शुद्ध 24 कैरेट सोने से बना है और भारत में शुद्धता-केंद्रित आभूषणों के लिए एक नया मानक स्थापित कर रहा है।

इस लॉन्च कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और इसमें देश भर के कई उद्योग के दिग्गज और प्रमुख उद्योग नेता, व्यापार संघ प्रमुख और सम्मानित जौहरी शामिल हुए। यह क्रांतिकारी संग्रह मंगलसूत्र एक दुल्हन और प्रतीकात्मक आभूषण में एक नया अध्याय शुरू करता है, जहाँ भावनाएँ निवेश से मिलती हैं, और परंपराएँ नवाचार से मिलती हैं। आज की महिलाओं के लिए डिज़ाइन किया गया, जो प्रेम में पवित्रता और विरासत में मूल्य तलाशती हैं, 24 कैरेट शुद्ध संग्रह बेजोड़ भावनात्मक और वित्तीय मूल्य प्रदान करता है।

श्रृंगार मंगलसूत्र – शाश्वत प्रेम और शुद्ध सोने का प्रतीक : श्रृंगार हाउस ऑफ़ मंगलसूत्र लिमिटेड के

चेयरमेन चेतन थड़ेश्वर ने कहा कि प्रत्येक आभूषण 24 कैरेट सोने से बना है, जो उच्चतम निवेश मूल्य प्रदान करता है और एक महिला के वैवाहिक सफ़र के दौरान उसके सबसे गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है। 24 कैरेट शुद्ध संग्रह का प्रत्येक श्रृंगार मंगलसूत्र भक्तिपूर्ण महत्व, परिष्कृत डिज़ाइन और पवित्रता का मिश्रण है जो विवाह के शाश्वत बंधन जितना ही कठोर और प्रेम जितना ही कोमल है। यह लॉन्च सिर्फ़ आभूषणों के बारे में नहीं है, यह भावना, विरासत और शुद्धता के बारे में है। पहली बार, भारतीय महिलाएँ अपनी प्रतिबद्धता की शुद्धता से मेल खाता 24 कैरेट का मंगलसूत्र पहन सकती हैं। 24 कैरेट शुद्ध संग्रह हमारी संस्कृति का प्रतीक है, जो नवाचार के माध्यम से परिवर्तित हुआ है।

HUID हॉलमार्किंग के साथ प्रमाणित शुद्धता : इसके बेजोड़ मूल्य और विश्वसनीयता के साथ, शुद्ध संग्रह का प्रत्येक मंगलसूत्र HUID हॉलमार्क वाला है जो प्रत्येक उपभोक्ता के लिए BIS प्रमाणित सोने की शुद्धता और पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। यह आश्वासन श्रृंगार की गुणवत्ता, विश्वास और ग्राहक विश्वास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

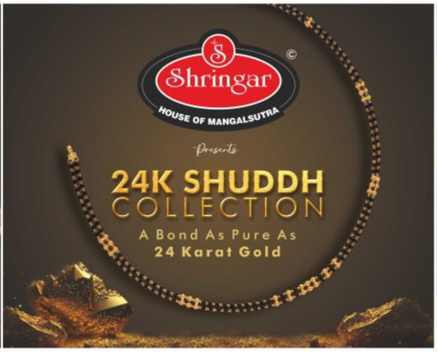

IIJS PREMIERE 2025

Swarn Shilp Chains & Jewellers Pvt. Ltd.

Laxmi Diamonds

Aradhana Jewellers Pvt. Ltd.

Diamond Creations Pvt. Ltd.

Sky Gold & Diamonds Ltd.

Trident Corporation

SK Seth Jewellers (Mohanlal Seth)

Ansaa Jewellers (P) Ltd.

IIJS PREMIERE 2025

Dirah Diamond Jewels (Silver Emporium)

Anand Darshan Silvers (ADS)

Shubham Silver

OC Ornament Creation

Tresorie

Purple Jewels Pvt. Ltd.

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

Surana Silver

IIJS PREMIERE 2025

Sky Chains

Laxmi Gold

Forever Jewels

Mithali Gold

Mangal Mani Jewellers Ltd.

Swarn Shree Chains

Master Chains & Jewels

Kanak Jewels

IIJS PREMIERE 2025

Mangalsutram

B.D. Bangles

Shringar House of Mangalsutra

Unique Chains and Jewels Ltd.

SK Seth Co. Jewellers

Chains Corner Jewellery (I) Pvt. Ltd.

L K Jewels

Vinayak Exports

IIJS PREMIERE 2025

M. Mehta & Sons

SK Jewellers Pvt. Ltd.

HMT Ornaments

S S Gems

Bhavika Jewellers

Pooja Jewellers

J.P. Gold

Viera CZ Jewellery

IIJS PREMIERE 2025

Royal Chains

Shankesh Jewellers Ltd.

Munot Ornaments Annex LLP

Shanti Gold International Ltd.

Sangam Chains N Jewels

Samruddhi Jewelcraft

Raj Jewellers

Sakariya Jewellers

IIJS PREMIERE 2025

Royal Chains

Sangam House of Jewels

LUV Diamonds

World Gold Council

ML Kanhaiyalal Jewels

R Kothari & Co. Jewellers

Brahammand

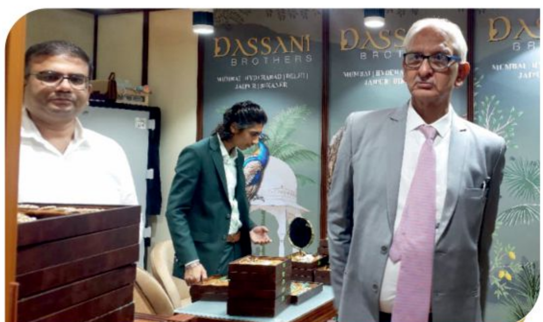

Dassani Brothers

IIJS PREMIERE 2025

Ritika Chains

Sukh Bangles

Manak Jewellers Pvt. Ltd.

Rivera Gems N Jewels

HRDK Jewel Craft Limited

Sonigara Jewellers

Hasmukh Punmiya

Saurabh Gadgil

Madhuban Toyota
A fresh experience in customer delight

TOYOTA

The New House
SANGAM HOUSE
awaits to welcome you

Innovation in every creation

SANGAM
HOUSE OF JEWELS

Raman Solanki Group

SANGAM HOUSE OF JEWELS LLP

Swarn House, 3rd Floor, 17/19 Dhanji Street, Zaveri Bazaar, Mumbai, 400003

+91 99200 33377

Follow us on

अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ का भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात पर प्रभाव

अमेरिका द्वारा सभी भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा अत्यंत चिंताजनक है। यह कदम भारत की अर्थव्यवस्था पर व्यापक और गहरे प्रभाव डालेगा–महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित होंगी, निर्यात पर रोक लगेगी और हजारों लोगों की आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। विशेष रूप से रत्न और आभूषण क्षेत्र पर इसका भारी असर पड़ेगा। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, जहां हम हर साल .10 बिलियन से अधिक का निर्यात करते हैं–जो कि इस उद्योग के कुल वैश्विक व्यापार का लगभग 30 प्रतिशत है। इतने बड़े पैमाने पर लगाया गया यह टैरिफ इस क्षेत्र के लिए बेहद नकारात्मक साबित होगा।

भारत के रत्न और आभूषण निर्यात में अमेरिकी बाजार पर भारी निर्भरता है। विशेष रूप से SEEPZ स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (SEZ) से 85 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को होता है, जो लगभग 50,000 लोगों को रोज़गार प्रदान करता है। कट और पॉलिश डायमंड की बात करें तो भारत का आधे से अधिक निर्यात अमेरिका जाता है। ऐसे में इस प्रकार के रिवाइस्ड टैरिफ वृद्धि से पूरी इंडस्ट्री ठप होने की कगार पर आ सकती है, जिससे मूल्य श्रृंखला के हर हिस्से छोटे कारीगरों से लेकर बड़े निर्माताओं पर भारी दबाव पड़ेगा।

चिंता की बात यह भी है कि तुर्की, वियतनाम और थाईलैंड जैसे प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग सेंटर को अमेरिका क्रमशः 15%, 20% और 19% जैसे कम टैरिफ का लाभ मिलता है। इसके मुकाबले भारत के उत्पाद अब अमेरिकी बाजार में कम प्रतिस्पर्धी नजर आएंगे। यदि इस असंतुलन को दूर नहीं किया गया, तो अमेरिका के लिए भारत की दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता की स्थिति कमजोर पड़ सकती है। हम इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि व्यापार को मेक्सिको, कनाडा, तुर्की, यूएई या ओमान जैसे कम टैरिफ वाले देशों के माध्यम से पुनः मार्गित किया जा सकता है। यह न केवल वैध व्यापार की भावना को कमजोर करेगा, बल्कि पारदर्शिता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालेगा।

इन सभी चुनौतियों के बावजूद, भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग की मजबूती बरकरार है। हाल ही में आयोजित आईआईजेएस प्रीमियर 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आभूषण फेर है, उसकी अपार सफलता इस बात का प्रमाण है कि घरेलू मांग अत्यंत मजबूत है। इस आयोजन से रू 70,000 करोड़ से रू 1 लाख करोड़ के व्यापार की संभावनाएं जताई गईं। वर्तमान में भारतीय घरेलू बाजार 85 बिलियन का है, और अगले दो वर्षों में इसके रू 130 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है। विशेष रूप से डायमंड सेक्टर के लिए यह घरेलू वृद्धि एक सहारा प्रदान कर सकती है। साथ ही, जीजेईपीसी निर्यात बाजारों में विविधता लाने के लिए नए क्षेत्रों की खोज में सक्रिय है। आगामी सऊदी अरब

किरीट भंसाली, चेयरमेन-जीजेईपीसी

ज्वेलरी एग्ज़ीबिशन (SAJEX) इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो उभरते क्षेत्रों में नए अवसरों के द्वार खोलने और भारत के निर्यात गंतव्यों का विस्तार करने का प्रयास है।

भारतीय रत्न और आभूषण परिषद जीजेईपीसी ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि वह अमेरिका द्वारा सभी भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50% टैरिफ के संदर्भ में तत्काल राहत प्रदान करे। परिषद ने स्पष्ट किया कि वर्तमान परिस्थिति में व्यापार वार्ताएं संभव नहीं हैं, लेकिन नीति सुधारों और व्यापक समर्थन के माध्यम से उद्योग को इस संकट से उबारा जा सकता है। जीजेईपीसी ने यह भी कहा कि एक जिम्मेदार उद्योग और देश के नागरिक होने के नाते, वे सरकार के साथ एकजुट हैं और राष्ट्र के आर्थिक हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्यरत रहेंगे। जीजेईपीसी ने सरकार से जिन राहत उपायों की मांग की है, उनमें सबसे प्रमुख है एक लक्षित ड्यूटी ड्रॉबैक योजना, जो अगस्त से दिसंबर 2025 तक अमेरिकी बाजार में निर्यात किए गए रत्न और आभूषणों पर लागू नए टैरिफ का 25% से 50% तक हिस्सा कवर करे। इससे न केवल वित्तीय दबाव कम होगा, बल्कि ऑर्डर रद्द होने की आशंका भी घटेगी और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बनी रहेगी। परिषद ने MAI योजना के तहत बाजार विविधीकरण के लिए वित्तीय सहायता की मांग भी की है, ताकि सऊदी अरब जैसे नए बाजारों की खोज को बढ़ावा मिले–जिसमें 11 से 13 सितंबर 2025 को जेद्दाह में होने वाली SAJEX एक्जीबिनशन और सऊदी में IJEX जैसी स्थायी प्रदर्शनी केंद्र की स्थापना शामिल है।

जिन कार्यशील पूंजी सुविधाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है, उनके संदर्भ में यह अनुरोध किया गया है कि ऋणदाता संस्थानों को 1 अगस्त 2025 से 1 जनवरी 2026 तक छह माह की अवधि के लिए ब्याज भुगतान स्थगित करने की अनुमति दी जाए। यह राहत उसी प्रकार दी जा सकती है, जैसी कोविड-19 अवधि के दौरान दी गई थी, ताकि उद्योग को वर्तमान आर्थिक दबाव से कुछ राहत मिल सके। SEZ (स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन) में स्थित इकाइयों को रिवर्स जॉब वर्क की अनुमति देने से वे अपनी मशीनरी और श्रमिकों का उपयोग घरेलू शुल्क क्षेत्र (DTA) के लिए आभूषण निर्माण एवं आपूर्ति में कर सकेंगी, जो इस संकट के समय में उद्योग के लिए एक सहारा बन सकता है। ऐसी स्थिति में, उत्पादित ज्वेलरी पर शुल्क केवल उन ड्यूटी-फ्री इनपुट्स के आधार पर लगाया जाना चाहिए, जिनका उपयोग SEZ इकाइयों ने DTA के लिए निर्माण करते समय किया है। ऑर्डर रद्द होने की स्थिति में कार्यशील पूंजी फंस सकती है, जिससे SEZ इकाइयों के हक्कबनने का खतरा उत्पन्न हो सकता है। ऐसी स्थिति में यह सुझाव दिया गया है कि SEZ इकाइयों को अपना मौजूदा स्टॉक या पाइपलाइन घरेलू बाजार (DTA) में बेचने की अनुमति दी जाए। इस बिक्री पर शुल्क केवल उन ड्यूटी- फ्री इनपुट्स के मूल्य पर लगाया जाना चाहिए, जिनका उपयोग आभूषण निर्माण में किया गया है। SEZ इकाइयों को रिवर्स जॉब वर्क और DTA बिक्री की अनुमति देने से लगभग 1.25 लाख कारीगरों, श्रमिकों और कटर्स की आजीविका को सहारा मिलेगा और वे इस संकट के समय में न्यूनतम स्तर पर भी संचालन बनाए रख सकेंगे।

प्री-शिपमेंट वित्तीय राहत–शिपमेंट में संभावित देरी को देखते हुए, यह सुझाव दिया गया है कि बैंकों को प्रोत्साहित किया जाए कि वे प्री-शिपमेंट ऋण की नियत तिथि को कम से कम 90 दिनों तक बिना किसी दंड के बढ़ाएं, जिससे निर्यातकों को अस्थायी राहत मिल सके। ब्याज समानिकरण योजना - ब्याज समानिकरण योजना ने विशेष रूप से MSME निर्यातकों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, क्योंकि भारत में ब्याज दरें प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में काफी अधिक हैं। इस योजना के अंतर्गत दी जाने वाली ब्याज सबवेंशन को पुनः शुरू किया जाना चाहिए, ताकि निर्यातकों को आवश्यक वित्तीय सहायता मिल सके।

राहत पैकेज – कोविड काल की तर्ज पर सरकार या भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के लिए विशेष अल्पकालिक राहत पैकेज या उपायों की घोषणा की जानी चाहिए, जिससे उद्योग को तत्काल वित्तीय संबल मिल सके और वह इस संकट से उबर सके। रत्न और आभूषण क्षेत्र की स्थिरता बनाए रखने के लिए यह आग्रह किया गया है कि रेटिंग एजेंसियां वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र की क्रेडिट रेटिंग को स्थिर बनाए रखें। अचानक लगाए गए उच्च टैरिफ के कारण व्यापार में आई सुस्ती अस्थायी है, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि इस कारण से रत्न और आभूषण क्षेत्र की रेटिंग में कोई गिरावट न हो। यह कदम उद्योग में निवेशकों का विश्वास बनाए रखने और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

'इकोलक्स' लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी शोरूम का भव्य शुभारंभ

अभिनेत्री तेजस्वी मडिवाड़ा और वेदमुथा के हाथों विजयवाड़ा में शानदार शुरूआत

शताब्दी गौरव

विजयवाड़ा। दक्षिण भारत के विजयवाड़ा में लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी स्टोर 'इकोलक्स' की शानदार शुरूआत हुई। 'इकोलक्स' ज्वेलरी स्टोर में बेहतरीन लैब-ग्रोन डायमंड की लग्जरी ज्वेलरी का विशिष्ट कलेक्शन है, जो ज्वेलरी के शिल्प कौशल और डिज़ाइन के टॉप लेवल की बेहतरीन मिसाल कही जा सकती है। ज्वेलरी पसंद करने वाले जो लोग अपनी चमक और परंपरा को और निखारना चाहते हैं, उन के लिए 'इकोलक्स' में हर आयु वर्ग और सभी लोगों के लिए ज्वेलरी का एक उत्कृष्ट संग्रह है। 'इकोलक्स' की अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भी उपस्थिति है और अगले एक साल में 'इकोलक्स' 10 नए रिटेल स्टोर खोलने की योजना बना रहा है साथ ही फ्रैंचाइज़ी मॉडल भी शुरू करने की योजना हैं।

'इकोलक्स' का उद्घाटन दक्षिण की फिल्म अभिनेत्री तेजस्वी मडिवाड़ा और प्रवीणकुमार वेदमुथा ने इस स्टोर का उदघाटन किया। 'इकोलक्स' के उदघाटन अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में गोल्डमेडल की डायरेक्टर अंजू देवी, सेवा भारती की संयुक्त सचिव नागलक्ष्मी पाथी, फिक्की फ्लो की सदस्य ललिता पाथी, कंजुमर्स कोर्ट की मीडियेशन मेंबर दारा करुणाश्री और डेटा एनलिस्ट सौजन्या कंचेरला भी उपस्थित थीं। 'इकोलक्स' के संस्थापक सिद्धांत संघवी और प्रतीक कोठारी कहते हैं कि 'इकोलक्स' के शोरूम में हर खरीददार के लिए लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी का एक उत्कृष्ट कलेक्शन है, जो उसे पहनने वाले की शान को और निखारते हैं। अपने इस स्टोर में 'इकोलक्स' ने लैब-ग्रोन डायमंड की लग्जरी ज्वेलरी के अपने विशिष्ट कलेक्शन का को पेश किया है, जो ज्वेलरी के शिल्प कौशल और डिज़ाइन के डॉप लेवल की बेहतरीन मिसाल है। 'इकोलक्स' की खास विशिष्टता यह है कि 'इकोलक्स' की लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी की अपनी निजी निर्माण इकाई है, जो इसे अन्य ज्वेलर्स से कुछ ऊंचा दर्जा प्रादन करती है। 'इकोलक्स' के पास इन-हाउस डायमंड ग्रेडर्स, डिज़ाइनर्स, कुशल कारीगरों और उत्कृष्ट बिक्री टीम की एक समर्पित टीम है। 'इकोलक्स' डायमंड ज्वेलरी को सीधे प्रोडक्शन यूनिट से अपने शोरूम में पेश करता है। 'इकोलक्स' ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए भी एक पहल की है। यह महिला उद्यमियों के लिए 'इकोलक्स' से जुड़ने के लिए एक विशेष योजना प्रदान करता है, जिसमें न्यूनतम निवेश और ग्राहकों तथा फ्रैंचाइज़ी मालिकों के लिए अधिकतम लाभ शामिल हैं।

'इकोलक्स' में लैब-ग्रोन डायमंड की लग्जरी ज्वेलरी का एक विशाल कलेक्शन है, जिसमें अंगूठियां, चूड़ियां, कंगन, हार और कान के झुमके शामिल हैं। 'इकोलक्स' की एक और खास विशेषता यह है कि अपनी प्रोडक्शन यूनिट है, इसलिए वे विशिष्ट ऑर्डर पर ज्वेलरी डिज़ाइन तैयार करते हैं, तथा 'इकोलक्स' व्यक्तिगत पसंद के अनुसार ज्वेलरी को कस्टमाइज भी करता है। 'इकोलक्स' की ज्वेलरी हर व्यक्ति के सौंदर्य को तो निखारती ही है, साथ ही यह ज्वेलरी अपनी अभिनवता तथा विशिष्ट डिजाइंस के एक शानदार संगम है। वे कहते हैं कि 'इकोलक्स' की ज्वेलरी के लिए उनकी कोशिश है कि वह वैभवशाली तथा ईको-फ्रेंडली होने के साथ साथ किफायती भी बना रहे। 'इकोलक्स' की आने ववाले एक साल भर में देश में तकरीबन 10 रिटेल स्टोर खोलने की योजना है। और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिसा में खास पहल करते हुए महिला उद्यमियों के लिए 'इकोलक्स' से जुड़ने के लिए एक विशेष योजना शुरू कर रहा है। न्यूनतम निवेश और ग्राहकों तथा फ्रैंचाइज़ी मालिकों के लिए अधिकतम लाभ इस फ्रैंटाइजी मॉडल के खास आधार होंगे।

'इकोलक्स' की अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भी उपस्थिति है। 'इकोलक्स' नियमित रूप से अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूके और सुदूर पूर्वी क्षेत्रों में प्रदर्शनियों का दौरा और आयोजन करता है। विजयवाड़ा में 'इकोलक्स' के उदघाटन के इस अवसर को यादगार बनाने के लिए 31 जुलाई, 2025 तक अपने ग्राहकों को 15 हजार से अधिक की प्रत्येक खरीदारी पर कुछ विशिष्ट नियमों के तहत गोल्ड कॉइन भी मुफ्त प्रदान किया है। शोरूम की मज़बूत उपस्थिति और लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी की विस्तृत रैंज के कारण, विभिन्न उद्योग समूहों और प्रतिष्ठित संस्थाओं के गणमान्य लोग इस उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

carron
ready made garments
Styled to steal the spotlight
Carron Clothing
Kalbadevi | Kemps Corner
Contact Number : +91 8866435435
carronclothing
carronfashion

ROYAL CHAIN
PRIVATE LIMITED

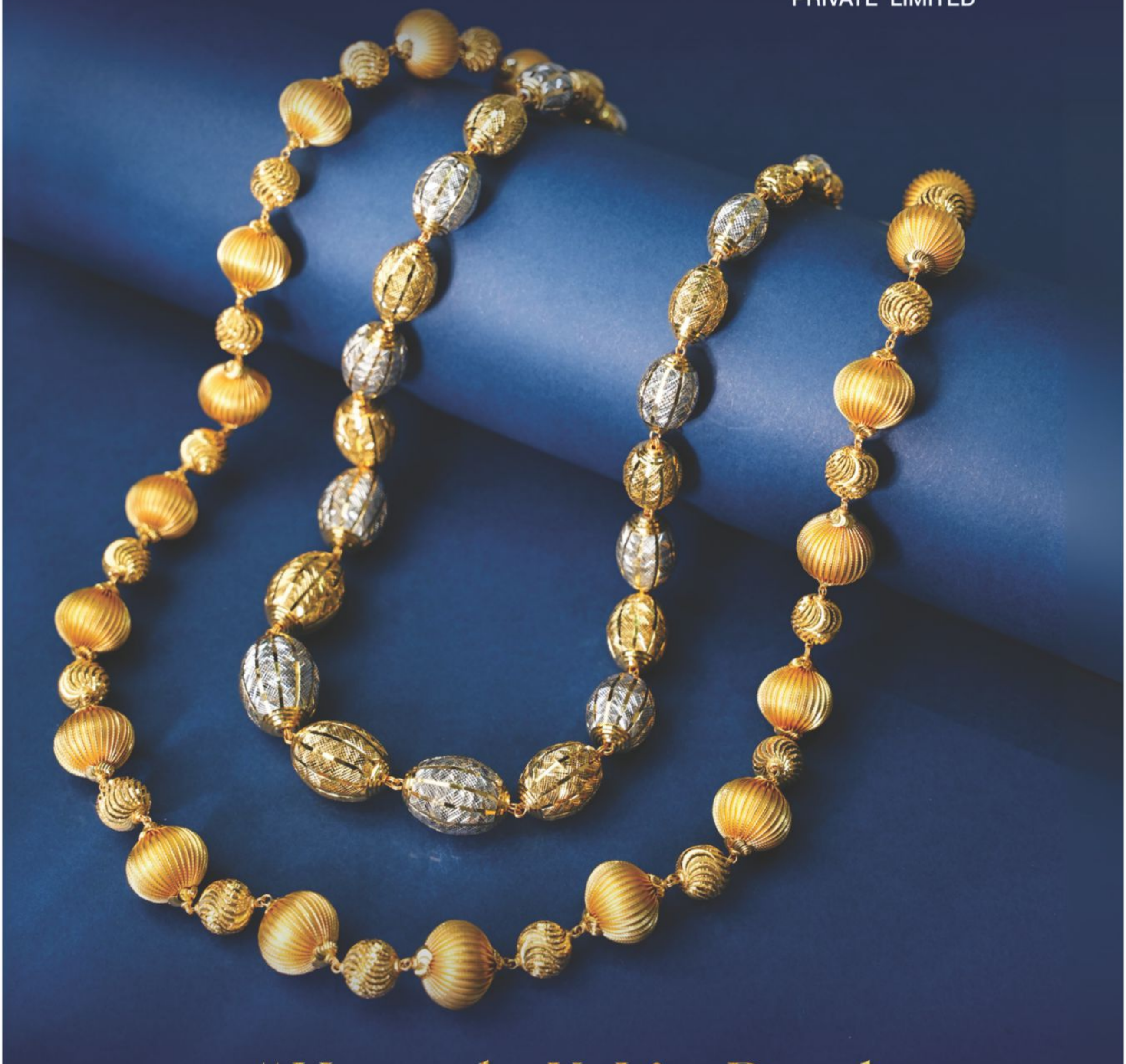

#HameshaKeLiyeRoyal

1st Floor, Royal House, Khara Kuwa, 127/129, Shaikh Menon Street,
Zaveri Bazaar, Mumbai, Maharashtra - 400 002
Tel : 022 2311 9999, Website : www.royalchains.com

SAMRUDDHI
JEWELCRAFT
Crafting Happiness
"The sparkle of Gold,
the Magic of Jewellery."
samruddhijewelcraft@gmail.com
Dinesh Jain +91 9320670627 |
Nikhil Jain +91 9819603187
A/1402,Aaditya Pearl, Ramwadi,
Kalbadevi Road, Mumbai- 400002

DINTARA JEWELS

Lab Grown Diamond Jewellery

a brand by **Choksi Vimal®** Bullion LLP *Since 1949*

Shop No. 3/4, 27, Round Chawl, Mumbadevi Road, Tambakata, Kalbadevi, Mumbai, Maharashtra - 400 002.
Intercom : 2781# | Tel.: 022 - 61832781, Email : shine@dintara.in, Web.: www.dintara.in

S
TM
SKY
GOLD & DIAMONDS
MAKE IN BHARAT , FOR THE WORLD
TM
Atiriya
The Bridal Collection
A SKY PRODUCT
+91 90898 99000 | sales@skygold.co.in